आश्विन कृष्ण - 4 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 49 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 11-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस की मुख्य चिंता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करना : खरगे

6 अनिश्चित भविष्य एवं आभासी दुनिया से दु:खी युवापीढ़ी

7 माही विज का ट्रेडिशनल लुक, वीडियो में दिखाई अपनी सादगी

फर्स्ट टेक

हवाई अड्डे पर बिजली गिरने से नेविगेशन सिस्टम क्षतिग्रस्त

रायपुर, 10 सितंबर (भाषा) छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे पर बुधवार शाम बिजली गिरने से नेविगेशन उपकरण क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे उड़ान संचालन बाधित हो गया। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि आज शाम बिजली गिरने से डीवीओआर (डॉपलर वीएचएफ ओमनी डायरेक्शनल रेंज) सिस्टम क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद सभी उड़ानों की लैंडिंग रोक दी गई है। अधिकारी ने बताया कि रायपुर हवाई अड्डे पर उतरने वाली इंडिगो की पांच उड़ानों का मार्ग परिवर्तित कर उन्हें नागपुर और भुवनेश्वर सहित आसपास के हवाई अड्डों पर भेजा गया। उन्होंने बताया, ''मरम्मत का काम जारी है और कल (बृहस्पतिवार) तक उड़ान संचालन फिर से शुरू होने की संभावना है।''

सेबी ने रद्द किया 18 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण

नयी दिल्ली, 10 सितंबर (भाषा) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बुधवार को 18 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण रद्द कर दिया, क्योंकि वे नवीनीकरण शुल्क का भुगतान करने में विफल रहे थे। नियमों के तहत यह जरूरी है। बाजार नियामक सेबी की महाप्रबंधक सोमा मजूमदार ने आदेश में कहा, ''मध्यस्थ विनियमन, 2008 के तहत नोटिस प्राप्तकर्ता संख्या एक से 18 तक के निवेश सलाहकार के पंजीकरण प्रमाणपत्र को रद्द किया जाता है।'' रद्द की गई संस्थाओं की सूची में पलाडिन कैपिटल मैनेजमेंट एलएलपी, विशाल बंसल, निमित अग्रवाल, एल्गोएनालिटिक्स फाइनेंशियल कंसल्टेंसी, शाह इन्वेस्टर्स होम, एजीएक्विजिशन मार्केट्स, निधि कंसल्टेंट्स, धर्मेश परमार, अभिनय जैन और समीरकुमार झा आदि शामिल हैं।

इस्लामिक स्टेट के दो संदिग्ध आतंकियों को पकड़ा

नयी दिल्ली, 10 सितंबर (भाषा) दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ, झारखंड के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और रांची पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में इस्लामिक स्टेट के दो संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि बोकारो के रहने वाले मुख्य आरोपी अशर दानिश को रांची से गिरफ्तार किया गया है। वह इस्लामिक स्टेट से जुड़े एक मॉड्यूल से संबंधित, दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज मामले में वांछित था। पुलिस के अनुसार, सभी टीमों द्वारा एक साथ की गई समन्वित कार्रवाई के दौरान एक अन्य संदिग्ध आफताब को दिल्ली से पकड़ा गया।

11-09-2025 सूर्यास्त 6:12 बजे | 12-09-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE 81,425.15 (+323.83) | NSE 24,973.10 (+104.50)

सोना 11,081 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 136,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ओली की डोली

कुर्सी के मद में नेताओं,
मत बोलो भाषा बड़बोली।
आवाज़ सत्य की दबी नहीं,
सत्ता चाहे दागे गोली।
श्री लंका का राजापक्षे,
या हो फिर नेपाली ओली।
जब जब भी शासक भ्रष्ट हुए,
जनता ने उठवा दी डोली।

राम मंदिर पर गर्व महसूस नहीं करने वाले हिंदुस्तानी की भारतीयता संदिग्ध है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर को देखकर गर्व महसूस नहीं करने वाले भारतवासी की भारतीयता संदिग्ध है।

मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ की 56वीं और महंत अवैद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा, ''आज ऐसा कौन भारतीय होगा जिसे अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर देखकर गर्व न होता हो। कोई ऐसा होगा तो उसके भारतीय होने पर ही संदेह होगा।'' उन्होंने कहा, ''महंत दिग्विजयनाथ जी ने गुलामी के प्रतीकों का हटाने का संकल्प लिया था। अयोध्या में गुलामी की निशानी ढांचे को हटाकर भव्य श्रीराम मंदिर बनाना उनका और ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ जी का संकल्प और सपना था। आज दोनों आचार्यों का यह संकल्प गुलामी के निशान को हटाकर पूरा हो चुका है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''जब सच्चा संत कोई संकल्प लेता है तो उसके परिणाम अवश्य आते हैं। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ ऐसे ही संकल्पों वाले संत थे। अयोध्या के श्रीराम मंदिर निर्माण के उनके संकल्प और संकल्प के प्रति किए गए संघर्ष का परिणाम आज पूरी दुनिया के सामने है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ गोरखनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप के शिल्पी थे और उन्होंने इसे सनातन परंपरा के वैभवशाली मंदिर के रूप में स्थापित किया। मुख्यमंत्री के मुताबिक, इसके साथ ही उनकी ख्याति पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति के पुरोधा के रूप में भी है।

आदित्यनाथ ने कहा, ''वर्ष 1932 में महंत दिग्विजयनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना के साथ ही गोरखपुर में विश्वविद्यालय स्थापित करने का संकल्प लिया था। देश की आजादी के बाद जब गोरखपुर में विश्वविद्यालय स्थापित करने की बात आगे बढ़ी तो बहुत से लोग पीछे हट गए।

ट्रंप की टिप्पणी पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा

भारत और अमेरिका हैं स्वाभाविक साझेदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- **सोशल मीडिया पर दोनों नेताओं के बीच बातचीत को मुख्य रूप से भारत और अमेरिका द्वारा अपने संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के प्रयासों के रूप में देखा जा रहा है।**
- **ऐसे संकेत मिले हैं कि भारत और अमेरिका के बीच अगले कुछ दिनों में कई कूटनीतिक बैठकें होंगी, जिनमें एक उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का भारत दौरा भी शामिल है।**

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत और अमेरिका स्वाभाविक साझेदार हैं और दोनों पक्षों की टीम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत को अंतिम रूप देने के लिए काम कर रही हैं। यह बात उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी के जवाब में कही जिसमें उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने के प्रयास जारी हैं।

सोशल मीडिया पर दोनों नेताओं के बीच बातचीत को मुख्य रूप से भारत और अमेरिका द्वारा अपने संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के प्रयासों के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क दोगुना करने के बाद पिछले कुछ हफ्तों में दोनों देशों के बीच तल्खी बढ़ गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह आगामी सप्ताहों में मोदी से बात करने के लिए उत्सुक हैं और उन्हें विश्वास है कि दोनों पक्ष प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में सफल होंगे। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, ''भारत और अमेरिका घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार हैं। मुझे विश्वास है कि हमारी व्यापार वार्ता भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को उजागर करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''इसे अंतिम रूप देने के लिए हमारी टीम चर्चाएं कर रही हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत के लिए भी उत्सुक हूं। हम दोनों देशों के लोगों के लिए एक उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने को लेकर मिलकर काम करेंगे।''

अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते में जो बाधाएं हैं, उन्हें दूर करने के लिए बातचीत जारी है।

ट्रंप ने कहा, ''मैं आने वाले हफ्तों में अपने सबसे अच्छे दोस्त, प्रधानमंत्री मोदी से बात करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे भरोसा है कि हमारे दोनों देशों के बीच वार्ता ठीक तरह से पूरी हो जाएगी, कोई मुश्किल नहीं आएगी।'' ट्रंप ने मोदी की टिप्पणी को 'ट्रुथ सोशल' पर भी पुनः पोस्ट किया।

इस बीच, 'फाइनेंशियल टाइम्स' की खबर के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूरोपीय संघ (ईयू) से कहा है कि वह रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए चीन और भारत पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाए। ट्रंप प्रशासन या यूरोपीय पक्ष द्वारा इस रिपोर्ट पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है।

ऐसे संकेत मिले हैं कि भारत और अमेरिका के बीच अगले कुछ दिनों में कई कूटनीतिक बैठकें होंगी, जिनमें एक उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का भारत दौरा भी शामिल है। इस दौरे में भारतीय नौसेना द्वारा लंबी दूरी के बहु-मिशन समुद्री गश्ती विमान पी-8आई के अतिरिक्त बेड़े की खरीद के लिए दिए गए ऑर्डर की अंतिम रूपरेखा पर बातचीत की जाएगी।

हमारा नारा 'वोट चोर, गद्दी छोड़' पूरे देश में प्रभावी सिद्ध हुआ : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायबरेली/लखनऊ/भाषा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा पूरे देश में प्रभावी सिद्ध हुआ है और पार्टी इसे ''और भी प्रभावशाली तरीकों से'' स्थापित करेगी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर अपनी संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे हैं। इससे पहले वह दिन में लखनऊ के चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डा पहुंचे, जहां कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया।

एक कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करने से पहले पत्रकारों से बातचीत में गांधी ने कहा, ''मुख्य नारा 'वोट चोर, गद्दी छोड़' है और यह पूरे देश में प्रभावी सिद्ध हुआ है। आने वाले समय में हम इसे बार-बार और भी प्रभावशाली तरीकों से साबित करेंगे।'' देदौली में हरचंदपुर विधानसभा के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, गांधी ने महाराष्ट्र और कर्नाटक में कथित वोट चोरी की घटनाओं का ज़िक्र किया।

हालांकि मीडिया को कार्यक्रम में जाने की अनुमति नहीं थी, लेकिन 'पीटीआई-भाषा' को पता चला है कि कांग्रेस नेता ने कहा कि महाराष्ट्र और कर्नाटक विधानसभा चुनावों में वोट चोरी के स्पष्ट सबूत मौजूद हैं।

एक सूत्र ने गांधी के हवाले से कहा, महाराष्ट्र में हमारी पार्टी और हमारा गठबंधन लोकसभा में जीता, और चार महीने बाद विधानसभा में हमारा सफाया हो गया। जब हमने जांच की, तो पता चला कि लोकसभा चुनावों के बाद लगभग एक करोड़ नए मतदाता चुनाव प्रणाली में शामिल हुए थे। हमारे और हमारे सहयोगियों के वोट वही रहे, लेकिन सभी नए वोट भाजपा को मिले। सूत्र के अनुसार गांधी ने कहा कि कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना को मिले वोटों में कोई बदलाव नहीं आया, लेकिन भाजपा के मतों में भारी उछाल आया, क्योंकि हर नया मतदाता उसके पक्ष में गया।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच रद्द करने का अनुरोध

नयी दिल्ली, 10 सितंबर (भाषा) उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। उर्वशी जैन के नेतृत्व में चार विधि छात्रों द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि पहलगाम आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलना राष्ट्रीय गरिमा और जनभावना के विपरीत संदेश देता है। भारत और पाकिस्तान 2025 एशिया कप के लिए 14 सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आमने-सामने होंगे। याचिका में कहा गया है, ''देशों के बीच क्रिकेट सद्भाव और मित्रता दिखाने के लिए होता है। लेकिन पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद, जब हमारे लोग मारे गए और हमारे सैनिकों ने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया, तो पाकिस्तान के साथ खेलने से विपरीत संदेश जाएगा कि जहां हमारे सैनिक अपनी जान कुर्बान कर रहे हैं।

मंगल पर प्राचीन जीवन के मजबूत संकेत मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

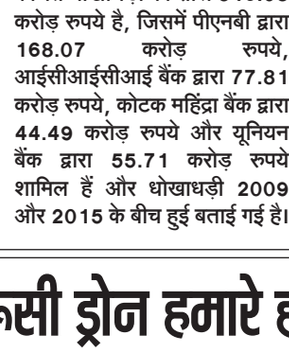

केप केनावेरल (अमेरिका), 10 सितंबर (एपी) अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मंगल ग्रह पर भेजे गए रोवर 'पर्सिवरेंस' ने एक सूखी नदी की धारा में चट्टानें खोज निकाली हैं जिनमें प्राचीन सूक्ष्म जीवन के संभावित संकेत हो सकते हैं। वैज्ञानिकों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले 'पर्सिवरेंस' द्वारा वहां एकत्र किए गए नमूनों का पृथ्वी की प्रयोगशालाओं में गहन विश्लेषण जरूरी है।

वर्ष 2021 से मंगल ग्रह पर घूम रहा यह रोवर सीधे तौर पर जीवन का पता नहीं लगा सकता। इसके बजाय, यह चट्टानों और नलियों में छेद करने के लिए एक ड्रिल लेकर चलता है ताकि अरबों साल पहले जीवन के लिए सबसे उपयुक्त माने गए स्थानों से एकत्र किए गए नमूनों को रखा जा सके। नमूनों को पृथ्वी पर वापस लाने की प्रतीक्षा है। यह एक महत्वाकांक्षी योजना है, जो नासा द्वारा सस्ते, त्वरित विकल्पों की तलाश के कारण रोक दी गई है।

दो वैज्ञानिकों एसईटीआई संस्थान के जेनिस बिशप और मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट विश्वविद्यालय के मारियो पेरेंटे ने इसे एक रोमांचक खोज बताते हुए कहा कि इसके लिए गैर-जैविक प्रक्रियाएं जिम्मेदार हो सकती हैं। स्टोनी ब्रुक विश्वविद्यालय के प्रमुख शोधकर्ता जोएल ह्यूरोविट्ज़ ने कहा, यही कारण है कि हम यह नहीं कह सकते कि यह जीवन का सकारात्मक प्रमाण है।

ईडी ने 346 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी मामले में छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा स्थित एक बिजली कंपनी और उसके प्रवर्तकों द्वारा कथित तौर पर 346 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी मामले से जुड़ी धनशोधन जांच के सिलसिले में बुधवार को दिल्ली-एनसीआर, तमिलनाडु और कर्नाटक में छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह जांच गुरुग्राम स्थित हाइथ्रो पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के खिलाफ है, जो परिसमापन (लिक्विडेशन) के दौर से गुजर रही है। इसके निदेशकों अमूल गबरानी और अजय कुमार बिश्नोई के अलावा कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भी जांच जारी है।

धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज ईडी का मामला फरवरी 2025 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज प्राथमिकी से सामने आया है जिसमें प्रवर्तकों पर आरोप है कि उन्होंने ऋण राशि को अपनी कुछ संबद्ध संस्थाओं को ''हस्तांतरित'' कर दिया, जिससे बैंकों को नुकसान हुआ। सूत्रों ने बताया कि ईडी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने इस जांच के तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पांच परिसरों, चेन्नई में तीन और बेंगलुरु में एक परिसर में छापेमारी की।

मामले के विवरण के अनुसार, शिकायतकर्ता बैंकों द्वारा घोषित कथित धोखाधड़ी की राशि 346.08 करोड़ रुपये है, जिसमें पीएनबी द्वारा 168.07 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक द्वारा 77.81 करोड़ रुपये, कोटक महिंद्रा बैंक द्वारा 44.49 करोड़ रुपये और यूनियन बैंक द्वारा 55.71 करोड़ रुपये शामिल हैं और धोखाधड़ी 2009 और 2015 के बीच हुई बताई गई है।

मनमोहन सिंह को मरणोपरांत पी वी नरसिम्हा राव स्मृति अर्थशास्त्र सम्मान

नई दिल्ली/भाषा। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री और प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह को भारत के आर्थिक बदलाव और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए मरणोपरांत पी वी नरसिम्हा राव स्मृति अर्थशास्त्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हैदराबाद स्थित पी वी नरसिम्हा राव स्मृति संस्थान (पीवीएनएमएफ) ने एक बयान में बताया कि पिछले सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी में उनकी पत्नी गुरशरण कौर ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। यह पुरस्कार पूर्ववर्ती योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष और सेंटर फॉर सोशल एंड इकॉनमिक प्रोग्रेस के विशिष्ट फेलो मोंटेक सिंह अहलूवालिया द्वारा प्रदान किया गया।

नेपाल में हालात पटरी पर लौटे

हिंसा रोकने के लिए सेना सड़कों पर गश्त कर रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू, 10 सितंबर (भाषा) नेपाल में बुधवार को सामान्य स्थिति बहाल होती नजर आई। इस बीच, सैनिकों को देश में कानून-व्यवस्था कायम करने और आंदोलन की आड़ में संभावित हिंसा को रोकने के लिए सड़कों पर गश्त करते देखा गया।

नेपाल में मंगलवार को सरकार विरोधी प्रदर्शनों के हिंसक होने के बीच केपी शर्मा ओली ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

देशभर में आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद मंगलवार रात से सुरक्षा अभियानों की कमान संभालने वाली सेना ने देशव्यापी प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए और फिर बृहस्पतिवार सुबह छह बजे तक के लिए कर्फ्यू लगा दिया।

सैनिकों ने सड़कों पर पहरा दिया और लोगों को घर पर ही रहने का आदेश जारी किया, जिससे नेपाल की राजधानी काठमांडू में सन्नाटा पसरा रहा। इससे एक दिन पहले प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन, राष्ट्रपति कार्यालय, प्रधानमंत्री आवास, सरकारी भवनों, उच्चतम न्यायालय, राजनीतिक दलों के कार्यालयों और वरिष्ठ नेताओं के घरों में आग लगा दी थी। हालांकि, बुधवार को हिंसा की कोई खबर नहीं आई।

सेना ने कहा कि प्रदर्शन की आड़ में लूटपाट, आगजनी और अन्य विनाशकारी गतिविधियों की संभावित घटनाओं को रोकने के लिए ये उपाय जरूरी हैं।

उसने चेतावनी दी कि प्रतिबंधात्मक अवधि के दौरान किसी भी तरह के विरोध-प्रदर्शन, तोड़फोड़, आगजनी या व्यक्तियों एवं संपत्ति पर हमले को आपराधिक कृत्य माना जाएगा और उससे उचित तरीके से निपटा जाएगा।

स्थिति के सामान्य होने पर प्रदर्शनकारी 'जेन जेड' समूह ने अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति के नाम को अंतिम रूप देने के लिए चर्चा की।

सूत्रों ने बुधवार को बताया कि अंतरिम सरकार के नेतृत्व के लिए समूह जिन नामों पर विचार कर रहा है, उनमें पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की, काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह और बिजली बोर्ड के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कुलमन घीसिंग के नाम शामिल हैं।

बडी संख्या में रूसी ड्रोन हमारे हवाई क्षेत्र में घुसे

वारसॉ/एपी। पोलैंड ने बुधवार को कहा कि रूस के ड्रोन उसके हवाई क्षेत्र में घुसे और इनमें से कुछ ड्रोनों ने सीधा खतरा पैदा किया, जिन्हें उसकी सेना तथा नाटो सहयोगियों ने मार गिराया।

पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''कल रात बड़ी संख्या में रूसी ड्रोनों ने पोलैंड के वायु क्षेत्र का उल्लंघन किया। जिन ड्रोनों से सीधा ख़तरा पैदा हो रहा था, उन्हें मार गिराया गया।'' पोलैंड की सशस्त्र सेनाओं को मंगलवार रात और बुधवार सुबह अत्यधिक सतर्क कर दिया गया था, क्योंकि उन्होंने इसे ''यूक्रेन में स्थित लक्ष्यों के खिलाफ बड़े पैमाने पर हवाई हमले'' बताया था।

रक्षा मंत्री व्लादिस्लाव कोसिनियाक-कामिज़ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि ''10 से अधिक वस्तुएं'' पोलैंड के वायु क्षेत्र में घुस आईं और जो पोलैंड की सुरक्षा के लिए ख़तरा थीं, उन्हें निष्क्रिय कर दिया गया।

वारसॉ के चोपिन हवाई अड्डे ने सैन्य अभियानों के कारण हवाई क्षेत्र बंद होने का हवाला देते हुए कई घंटों के लिए उड़ानें निलंबित कर दीं।

पोलैंड के सशस्त्र बलों ने बुधवार सुबह कहा कि उन स्थानों पर तलाशी ली जा रही है जहां ड्रोन संभावित रूप से गिरे। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे ऐसी किसी भी वस्तु के पास न जाएं, उसे न छुएं या न हिलाएं क्योंकि ये वस्तुएं खतरा पैदा कर सकती हैं और उनमें खतरनाक सामग्री हो सकती है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के माकली संकुल के सरकारी विद्यालयों एवं सरकारी अनुदानित विद्यालयों के लिए आयोजित क्रीड़ा कूटा समारोह के समापन के मौके पर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं अन्य।

इलेक्ट्रॉनिक सिटी में छठ पूजा और घाट निर्माण की तैयारियां शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के इलेक्ट्रॉनिक सिटी मिथिला छठ पूजा समिति के तत्वावधान में 25 अक्टूबर से चार दिवसीय छठ महापर्व का आयोजन सिगेना अग्रहारा रोड स्थित मिथिला छठ पूजा तालाब पर किया जाएगा जिसके लिए कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन बुधवार को किया। बैठक में छठ पूजा को भव्य रूप से मनाने के लिए चर्चा हुई।

आयोजकों ने बताया कि 25 अक्टूबर नहाय खाय, 26 अक्टूबर को खरना, 27 अक्टूबर को संध्याकालीन अर्घ्य, अर्घ्य के उपरांत घाट पर 1001 दीपों का दीपोत्सव, बच्चों के लिए मेले व 28 अक्टूबर को उषा अर्घ्य एवं पारणे का आयोजन किया जाएगा। बैठक में प्रसाद निर्माण, घाट निर्माण, साफ सफाई, सजावट, सुरक्षा आदि विषयों पर गहन चर्चा हुई।

बैठक में संजीव कुमार सिंह, राकेश रंजन लाल,सुनील कुमार,संगम कुमार,मनीष ओझा, अजय सिंह,रवि रंजन लाल, बांके बिहारी सिंघानिया, रमेश कुमार सैनी, अरविंद विश्वकर्मा, लव कुश सिंह, सौरभ कुमार झा, मृणाल गौरव, आशीष सिंह और केएन सहाय उपस्थित थे।

रेड्डी ने राजनाथ से 'गांधी सरोवर परियोजना' हेतु रक्षा भूमि हस्तांतरित करने का आग्रह किया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से हैदराबाद में 98.20 एकड़ रक्षा भूमि 'गांधी सरोवर परियोजना' के लिए राज्य सरकार को हस्तांतरित करने का आग्रह किया। दिल्ली में रक्षा मंत्री से मुलाकात के दौरान रेड्डी ने उन्हें राज्य सरकार की उन योजनाओं से अवगत कराया, जिसके तहत शहर में मूसी और इशा नदियों के संगम पर 'गांधी सर्कल ऑफ यूनिटी' का निर्माण प्रस्तावित है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि रेड्डी ने जोर दिया कि 'गांधी सरोवर परियोजना' राष्ट्रीय एकता और महात्मा गांधी के शाश्वत आदर्शों का प्रतीक होगी। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने सिंह को यह भी बताया कि राज्य सरकार का 'गांधी सरोवर परियोजना' के अंतर्गत 'नॉलेज हब', 'ध्यान ग्राम', हथकरघा पर जागरूकता प्रसार केंद्र, 'शांति प्रतिमा' और संग्रहालय की स्थापना का प्रस्ताव है।

'बाढ़ग्रस्त पंजाब के लिए केंद्र की वित्तीय सहायता 'बेहद कम' है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बुधवार को बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित 1,600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता को ''बेहद कम'' बताया।

मोदी ने मंगलवार को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया जो 1988 के बाद से सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। उन्होंने पंजाब के लिए 1,600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के अलावा बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के शिकार हुए लोगों के निकटतम परिजनों को दो लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने गुरदासपुर में समीक्षा बैठक की। चीमा ने यहां मीडिया को संबोधित करते हुए दावा किया कि कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने प्रधानमंत्री से कहा था कि 1,600 करोड़ रुपये ''बहुत कम'' राशि है और उन्होंने राज्य के लिए अंतरिम राहत के रूप में 20,000 करोड़ रुपये की मांग की थी।

मुंडियां भी गुरदासपुर में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के लिए मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक का हिस्सा थे। चीमा ने आरोप लगाया, ''फिर प्रधानमंत्री ने उनसे (मुंडियां) कहा, 'क्या आपको हिंदी समझ नहीं आती। आपको समझ नहीं आता, 1,600 करोड़ रुपये दे दिए।''' उन्होंने आरोप लगाया, ''इसका मतलब है कि प्रधानमंत्री ने हमारी मातृभाषा पंजाबी, पंजाब के लोगों और पंजाबियत का अपमान किया है।'' प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए चीमा ने कहा कि मोदी ने पंजाब में आई बाढ़ के लगभग 30 दिन बाद राज्य का दौरा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अपने दौरे पर मोदी ने उन प्रभावित लोगों का हाथ थामने की ज़हमत नहीं उठाई जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया, जिनकी फ़सलें और घर बर्बाद हो गए।

भाजपा ने आवासीय परियोजनाओं के लिए धर्म के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने धर्म के आधार पर आवासीय परियोजनाओं के प्रचार की आलोचना करते हुए इसे ''संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा'' करार दिया। उन्होंने हाल में कर्जत (मुंबई से करीब 100 किलोमीटर दूर) में प्रस्तावित ''हलाल लाइफस्टाइल टाउनशिप'' का जिक्र करते हुए कहा, ''हमारी आपत्ति आवासीय संपत्तियों की बिक्री के लिए इस तरह के प्रस्ताव पर है। यह अस्वीकार्य है।।''

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इस परियोजना पर दायर शिकायत का संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है और साथ ही महाराष्ट्र स्थावर संपदा नियामक प्राधिकरण (महरेरा) से इसकी मंजूरी के कानूनी आधार पर स्पष्टीकरण तलब किया है। उपाध्याय ने कहा कि इस तरह की धर्म-आधारित परियोजनाएं विभाजन का बीज बोने का काम करती हैं। उन्होंने कहा, मुंबई के आसपास इस तरह की 'हलाल टाउनशिप' बनाकर समाज में धार्मिक विभाजन की दीवारें खड़ी करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, वर्ष 1857 के विद्रोह के बाद, सर सैयद अहमद खान ने मुसलमानों के लिए अलग जगह की मांग की थी, जिसे विभाजन की पहली मांग माना गया। कर्जत में प्रस्तावित 'हलाल टाउनशिप' को देश की एकता के लिए खतरे की घंटी के रूप में देखा जाना चाहिए।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि परियोजना के प्रचार में ''सोसाइटी में सबकुछ हलाल होगा'' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो ''संवैधानिक मूल्यों पर सीधा हमला और समाज को बांटने की कोशिश'' है। उपाध्याय ने कहा, अगर आज ऐसी परियोजनाओं को अनुमति दी गई, तो कल हम हर जिले और गांव में हर धर्म के लिए अलग-अलग बस्तियां देखेंगे। इससे भारत के सामाजिक सद्भाव, एकता और सुरक्षा को गंभीर खतरा होगा।

उन्होंने सरकार से जांच शुरू करने का आग्रह किया और कहा कि धर्म के नाम पर समाज को बांटने की किसी भी साजिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपाध्याय ने कहा, विकास की आड़ में जमीन के बंटवारे की साजिश करना जमीन जिहाद है।

हर चार में से एक आईफोन खरीदार लचीले वित्तपोषण का विकल्प चुनता है : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बहुप्रतीक्षित आईफोन 17 के बाजार में आने के बाद, एक नया रुख सामने आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार जनवरी से अगस्त 2025 के बीच, आईफोन खरीदने वाले हर चार में से एक ग्राहक ने लचीले भुगतान विकल्पों का इस्तेमाल किया, जैसे कि एनबीएफसी से ऋण, क्रेडिट कार्ड ईएमआई या कैशबैक योजनाएं।

इस तरह, इन ग्राहकों ने फोन की पूरी कीमत एक बार में चुकाने की जगह, आसान किस्तों में भुगतान करना चुना है। अग्रणी ओमनी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर क्रोमा द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि प्रीमियम स्मार्टफोन खंड में एप्पल का दबदबा कायम है तथा लचीले वित्तपोषण ने इस वृद्धि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रिपोर्ट के अनुसार, ''जनवरी-अगस्त, 2025 के बीच हर चार में से एक आईफोन खरीदार ने एनबीएफसी से ऋण या क्रेडिट कार्ड ईएमआई/कैशबैक योजनाओं का विकल्प चुना, जिससे कीमत की बाधाएं खत्म हुईं और प्रीमियम तकनीक अधिक लोगों तक पहुंच पाई।''

इसके बाद रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि केवल महानगरों ही नहीं, बल्कि दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहर भी बिक्री में वृद्धि कर रहे हैं। इसमें कुछ शहरों में सालाना आधार पर पांच गुना से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है।

शिवसेना (उबाठा) और मनसे में गठबंधन की अटकलों के बीच राज से फिर मिले उद्धव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे बुधवार को अपने चचरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे से यहां उनके आवास पर मिलने पहुंचे।

दोनों दलों में गठबंधन की अटकलों के बीच दोनों पार्टी प्रमुखों और उनके नेताओं की बैठक राज ठाकरे के आवास 'शिवतीर्थ' पर चल रही है। दोनों चचेरे भाइयों के

बीच हाल में यह दूसरी सार्वजनिक मुलाकात है। इससे पहले, उद्धव गणेश उत्सव के अवसर पर शिवतीर्थ पहुंचे थे।

पीएसए के तहत 'आप' विधायक मलिक की हिरासत असंवैधानिक: संजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने पार्टी विधायक मेहराज मलिक को जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिए जाने की बुधवार को निंदा करते हुए इसे ''अवैध'' और ''असंवैधानिक'' बताया तथा अधिकारियों पर एक निर्वाचित प्रतिनिधि के खिलाफ आतंकवादियों के लिए बने कानून का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

'आप' की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष मलिक को सोमवार को डोडा जिले में सार्वजनिक व्यवस्था को कथित रूप से बिगाड़ने के लिए कड़े कानून

के तहत हिरासत में लिया गया था और बाद में उन्हें कठुआ जिला जेल में रखा गया।

'आप' के वरिष्ठ नेता इमरान हुसैन के साथ यहां पहुंचे सिंह ने संवाददाताओं से कहा, ''यह (मलिक के खिलाफ पीएसए लगाना) अवैध और असंवैधानिक है। यह एक निर्वाचित सदस्य की आवाज को दबाने का प्रयास है। पीएसए लगाना सौ फीसदी गलत है।''

सिंह ने कहा, ''आतंकवादियों के खिलाफ इस्तेमाल की जाने वाली धारा एक निर्वाचित सदस्य पर अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए आवाज उठाने के लिए लगाई गई है। यह बहुत गलत है।'' उन्होंने कहा, ''हम इस अन्याय के खिलाफ सड़कों पर, संसद में और यदि आवश्यक हुआ तो उच्चतम न्यायालय में लड़ेंगे।'' उन्होंने भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर दमनकारी रणनीति अपनाकर 'आप' को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

भारत व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ कर रहा सक्रिय बातचीत: गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ 'सक्रियता के साथ बातचीत' कर रहा है।

गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में यूरोपीय संघ के साथ भी व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है। इसके अलावा, भारत न्यूजीलैंड के साथ भी व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है।

गोयल ने उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम में कहा, ''हम अमेरिका और न्यूजीलैंड के साथ व्यापार समझौते के लिए सक्रिय बातचीत कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत पहले ही मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौते कर चुका है। इसके साथ ही गोयल ने कहा, ''हम जल्द ही ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौते के दूसरे चरण को अंतिम रूप देंगे।''

दिल्ली सरकार इहबास को प्राथमिकता के आधार पर पुनर्जीवित करेगी : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को घोषणा की कि उनकी सरकार पूर्वी दिल्ली स्थित 'इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड अलाइड साइंसेज' (इहबास) को प्राथमिकता के आधार पर पुनर्जीवित करेगी।

मुख्यमंत्री ने संस्थान का औचक निरीक्षण करने के बाद आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस महत्वपूर्ण चिकित्सा संस्थान की उपेक्षा की। उन्होंने बताया कि यह अस्पताल प्रतिदिन 2,500 से 3,000 ओपीडी मरीजों को देखता है, लेकिन यहां मूलभूत जांच सुविधाओं की कमी है। उन्होंने कहा कि सरकार संस्थान में महत्वपूर्ण डायग्नोस्टिक अवसंरचना की व्यवस्था करेगी।

गुप्ता ने कहा, ''यह अस्पताल न सिर्फ दिल्ली, बल्कि एनसीआर के मरीजों को भी न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के लिए इलाज उपलब्ध कराता है। मुझे इहबास को लेकर कई शिकायतें मिली थीं। यहां 2012 से एमआरआई मशीन नहीं है और सीटी स्कैन मशीन भी उपलब्ध नहीं है। एक्स-रे की सुविधाएं भी सीमित हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस संस्थान के लिए नए भवन का निर्माण करेगी और चालू वित्त वर्ष में एमआरआई, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन जैसी जांच सुविधाओं का इंतजाम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सबसे पहले अस्पताल के लिए एक नई ओपीडी का निर्माण किया जाएगा, जिसके बाद मुख्य इमारत का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने विषम परिस्थितियों के बावजूद मरीजों का इलाज करने के लिए चिकित्सकीय टीम की सराहना भी की।

नायडू ने 'सुपर सिक्स' चुनावी वादों को 'सुपर हिट' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अनंतपुर (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि राज्य की पूर्ववर्ती युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार ने 10 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया था, जबकि वर्तमान तेदेपा नीत राजग सरकार ने राज्य में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है।

यहां 'सुपर सिक्स सुपर हिट' बैठक को संबोधित करते हुए नायडू ने वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य की पूर्ववर्ती सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह बेचैनी, बेरोजगारी और मादक पदार्थ की समस्याओं से ग्रस्त थी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अपने 'सुपर सिक्स' चुनावी वादों को पूरा कर रही है और आश्वासन दिया कि राज्य में किसानों के लिए यूरिया की कोई कमी नहीं होगी। मुख्यमंत्री नायडू ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की, जिसके कारण कई उत्पादों की कीमतों में कमी आयी है। उन्होंने कहा, ''जब पूर्ववर्ती सरकार ने 10 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया था, तब तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश लायी। यह हमारी साख है। यह हमारा ब्रांड है।'' नायडू ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि 'अन्नदाता सुखीभव' योजना (किसानों को वित्तीय सहायता) के तहत पहली किश्त में 47 लाख किसानों के बैंक खातों में 3,173 करोड़ रुपये जमा किए गए हैं।

देश के आठ बड़े शहरों में निर्मित क्षेत्र तीन दशक में दोगुना हुआ: रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। देश के आठ बड़े शहरों में निर्मित क्षेत्र पिछले तीन दशक में लगभग दोगुना होकर 4,308 वर्ग किलोमीटर तक पहुंच गया है। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट परामर्शदाता स्क्वायर याड्र्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वर्ष 1995 से अब तक इन आठ प्रमुख शहरों में 2,136 वर्ग किलोमीटर का नया निर्मित क्षेत्र जुड़ा है।

स्क्वायर याड्र्स ने 'शहरी निर्मित क्षेत्र' को किसी शहर या बस्ती के उस हिस्से के रूप में परिभाषित किया है, जहां भवन जैसे मानव-निर्मित ढांचे फैले हुए हैं। शहरी निर्मित क्षेत्र में किसी शहर के भीतर निर्मित आवासीय, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक भवनों के साथ सड़कें एवं अन्य मानव-निर्मित ढांचे शामिल होते हैं। यह क्षेत्र प्राकृतिक या खुली जमीन से अलग होता है।

कांग्रेस ने अमेरिका को स्वाभाविक साझेदार बताने को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिका को भारत का स्वाभाविक साझेदार बताए जाने को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि क्या वे इतने स्वाभाविक साझेदार हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 35 बार यह घोषणा कर दी कि उन्होंने भारत एवं पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करवाई।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से कहा है कि भारत और अमेरिका स्वाभाविक साझेदार हैं। अब सवाल यह है कि क्या वे इतने स्वाभाविक हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 35 से अधिक विभिन्न अवसरों पर घोषणा की है कि उन्होंने व्यापार के लाभ का उपयोग करते हुए 10 मई की शाम को भारत-पाकिस्तान युद्धविराम कराया? अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताया और कहा कि यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत अच्छी तरह जारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसके जवाब में अमेरिका को करीबी दोस्त और स्वाभाविक साझेदार बताया।

पड़ोसियों के बीच झगड़े का मतलब आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि पड़ोसियों के बीच बहस या हाथापाई जैसी घटनाएं भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 306 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने के दायरे में नहीं आतीं।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने एक महिला द्वारा अपनी पड़ोसी को कथित रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में उसे कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा सुनाई गई तीन साल की सजा को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने कहा कि आईपीसी की धारा 306 लागू करने के लिए यह आवश्यक है कि अभियुक्त ने आत्महत्या के लिए पीड़ित को उकसाया हो, सहायता की हो या उसे आत्महत्या के लिए प्रेरित किया हो। पीठ ने कहा, ''यद्यपि 'अपने पड़ोसी से प्रेम करो' एक आदर्श स्थिति है, लेकिन पड़ोस में झगड़े समाज के लिए कोई नई बात नहीं हैं। ऐसे झगड़े सामुदायिक जीवन में आम हैं। प्रश्न यह है कि क्या तथ्यों के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला बनता है?'' अदालत ने कहा कि वह इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी कि अपीलकर्ता और पीड़िता के परिवारों के बीच कहासुनी और तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद, अपीलकर्ता की ओर से आत्महत्या के लिए किसी प्रकार की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष उकसावे की मंशा थी। पीठ ने कहा, ''ऐसे झगड़े रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हैं, और तथ्यों के आधार पर हम यह नहीं कह सकते कि अपीलकर्ता द्वारा ऐसा कोई कृत्य हुआ, जिससे पीड़िता को आत्महत्या के अलावा कोई और रास्ता न दिखा हो।'' उच्चतम न्यायालय कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें उच्च न्यायालय ने आरोपी महिला को आईपीसी की धारा 306 के तहत दोषी ठहराया था, लेकिन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(2) (वी) के आरोप से बरी कर दिया था।

शोध कार्यों के सम्मान के लिए 'आरुष'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कट्टनकुलथुर। आज युद्ध केवल युद्ध के मैदान में ही नहीं लड़े जाते, बल्कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी लड़े जाते हैं; इंजीनियर नए सैनिक हैं।

ज़ोहो कॉर्पोरेशन के संस्थापक और मुख्य वैज्ञानिक डॉ. श्रीधर वेम्बू ने एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी), कट्टनकुलथुर के प्रमुख टेक्नो-मैनेजमेंट फेस्ट, आरुष के दौरान यह टिप्पणी की, जिसका 19वां संस्करण आज पूरे भारत से रिकॉर्ड भागीदारी के साथ संपन्न हुआ। वर्ष 2007 में अपनी स्थापना के बाद से, आरुष देश के प्रमुख छात्र-नेतृत्व वाले नवाचार प्लेटफार्मों में से एक के रूप में विकसित हुआ है, जो 50,000 से अधिक छात्रों, शिक्षाविदों और उद्योग के नेताओं को विचारों का आदान-प्रदान करने और भविष्य के समाधानों पर सहयोग करने के लिए एक साथ लाता है। इस वर्ष के आयोजन का उद्घाटन ज़ोहो कॉर्पोरेशन के संस्थापक और मुख्य वैज्ञानिक डॉ. श्रीधर वेम्बू और पद्मश्री एवं पद्म भूषण से सम्मानित, ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ और डीआरडीओ व इसरो के अनुभवी डॉ. ए. शिवथानु पिल्लई ने किया। उनकी उपस्थिति ने दूरदर्शी विचारों और युवा-प्रेरित नवाचार के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में इस उत्सव की प्रतिष्ठा को रेखांकित किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, एसआरएम समूह के संस्थापक चांसलर डॉ. टीआर पारीवेंधर ने याद दिलाया कि डॉ. वेम्बू ने 1970 के दशक में नाइटिंगेल स्कूल, वेस्ट माम्बलम में शिक्षा प्राप्त की थी और उन्होंने एसआरएमआईएसटी की नवोन्मेषकों को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, आरुष, एसआरएमआईएसटी द्वारा किए गए शोध कार्यों का सम्मान करने के लिए आयोजित किया जाता है। हमारा प्रबंधन सब कुछ अकेले नहीं कर सकता, इसलिए हम एक स्पष्ट दृष्टिकोण निर्धारित करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए सही युवा दिमागों पर भरोसा करते हैं।

तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने दिनाकरन, सेंगोट्टैयन का समर्थन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम ने बुधवार को अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) प्रमुख टी टी वी दिनाकरन और अन्नाद्रमुक नेता के ए सेंगोट्टैयन का समर्थन किया और साथ ही स्पष्ट किया कि उनकी अन्नाद्रमुक में फिर से शामिल किए जाने की कोई विशेष मांग नहीं है। पनीरसेल्वम ने कहा कि वह अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) में एकीकरण के प्रयासों का दिल से स्वागत करते हैं और पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हैं। उन्होंने मदुरै में संवाददाताओं से कहा, सबके मन में एकजुट होने का विचार है और वही होगा और केवल तभी पार्टी के संस्थापक एमजीआर और दिवंगत प्रमुख अम्मा के आदर्श साकार हो सकते हैं। उन्होंने मदुरै में संवाददाताओं से यह बात सेंगोट्टैयन के संदर्भ में कही, जिन्हें पार्टी के पदों से इसलिए हटा दिया गया था, क्योंकि उन्होंने पार्टी को मजबूत करने के लिए निष्कासित नेताओं को वापस लाने के लिए 10 दिन की समयसीमा दी थी।

सेंगोट्टैयन के निष्कासित नेताओं को वापस लाने के रुख पर पनीरसेल्वम ने विश्वास जताया कि यह सफल होगा। उन्होंने कहा, ''मेरी शुभकामनाएं, उनकी मांगें सफल हों।'' एएमएमके प्रमुख दिनाकरन के इस रुख के बारे में पूछे जाने पर कि यदि यह घोषणा की जाती है कि ई. के. पलानीस्वामी 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार नहीं हैं तो वह फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने पर विचार करेंगे, पन्नीरसेल्वम ने कहा कि यह एक अच्छी राय है।

उन्होंने कहा, ''राजनीति में कोई दोस्त या दुश्मन नहीं होता, भविष्य में कुछ भी हो सकता है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अन्नाद्रमुक में फिर से शामिल होने की उनकी कोई विशेष मांग नहीं है। यह पूछे जाने पर कि यदि उन्हें अन्नाद्रमुक में वापस ले लिया जाता है, तो क्या वह पलानीस्वामी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार स्वीकार करेंगे, पनीरसेल्वम ने कहा, ''कई मुद्दों पर चर्चा करनी होगी।'' अन्नाद्रमुक नेतृत्व के मुद्दे से जुड़े छह मामले अदालत में लंबित हैं और ऐसे मामले हमारे धर्मयुद्ध का आधार हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जब विधानसभा चुनाव नजदीक आएंगे, तो राजनीति में बदलाव होंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा ने राजनीतिक उद्देश्यों से अन्नाद्रमुक को विभाजित करने की कोशिश की, उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा नहीं लगता। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अभी तक दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेताओं से कोई निमंत्रण नहीं मिला है, जैसा सेंगोट्टैयन को मिला मिला था। नौ सितंबर को, सेंगोट्टैयन ने कहा कि उन्होंने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अमित शाह और निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और उन्हें निष्कासित नेताओं को वापस लाकर अन्नाद्रमुक को एकजुट और मजबूत करने के बारे में जानकारी दी। दिवंगत पार्टी प्रमुख जे जयललिता के विश्वासपात्र पनीरसेल्वम, वी के शशिकला और उनके करीबी रिश्तेदार टी टी वी दिनाकरन प्रमुख नेता थे जिन्हें अन्नाद्रमुक से निष्कासित कर दिया गया था।

चेन्नई डिवीजन ने यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट और एस्केलेटर लगाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे का चेन्नई मंडल अपने यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिदिन 12.4 लाख से अधिक यात्रियों के आवागमन के साथ, मंडल प्लेटफार्मों पर सुगम और परेशानी मुक्त आवागमन सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक लिफ्ट और एस्केलेटर लगाकर स्टेशन के बुनियादी ढांचे को उन्नत कर रहा है। ये सुविधाएँ विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग यात्रियों, गर्भवती महिलाओं, रोगियों, बच्चों वाले परिवारों और भारी सामान ले जाने वाले यात्रियों के लिए लाभदायक हैं। सीढ़ियाँ चढ़ने की ज़रूरत कम करके, लिफ्ट और एस्केलेटर यात्रियों का समय बचाते हैं और भीड़भाड़ कम करते हैं।

वर्तमान में, पूरे मंडल में 90 से ज़्यादा लिफ्टें कार्यरत हैं और एन्नोर, मिंजुर, अवादी, अम्बुर, वंडालूर, गुडुवनचेरी और माम्बलम जैसे प्रमुख स्टेशनों पर 60 और लिफ्टें लगाई जा रही हैं। प्रमुख पुनर्विकास परियोजनाओं के तहत, चेन्नई एग्मोर स्टेशन पर 44 लिफ्टें लगाई जाएँगी, जबकि ताम्बरम स्टेशन पर 9 लिफ्टें लगाई जाएँगी। बढ़ते यात्री दबाव को संभालने के लिए एस्केलेटर सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। माम्बलम, अवाडी, गिंडी और चेंगलपट्टू में एस्केलेटर निर्माणाधीन हैं। चेन्नई एग्मोर पुनर्विकास परियोजना के तहत, 31 एस्केलेटर लगाए जाएँगे, जबकि तांबरम स्टेशन विकास परियोजना के लिए 10 एस्केलेटर स्वीकृत किए गए हैं। इन पहलों से न केवल यात्री सुरक्षा में सुधार होगा, बल्कि व्यस्त समय के दौरान भीड़भाड़ कम करने, प्लेटफार्मों तक त्वरित पहुँच प्रदान करने और सभी के लिए अधिक आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी। इन उन्नयनों के साथ, चेन्नई मंडल यात्री आराम, सुरक्षा और सुगम्यता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

अदालत ने सबरीमला की सोने की चादरें लौटाने का आदेश दिया, देवस्वोम बोर्ड को फटकार लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) को सबरीमला मंदिर के गर्भगृह के सामने द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों के ऊपर लगाई गई सोने की परत वाली तांबे की चादरें चेन्नई से वापस लाने का बुधवार को निर्देश दिया। इस फैसले को टीडीबी के लिए झटके के तौर पर देखा जा रहा है। उच्च न्यायालय की देवस्वोम पीठ ने अदालत की ओर से नियुक्त सबरीमला विशेष आयुक्त की रिपोर्ट पर विचार करते समय टीडीबी की कड़ी आलोचना की, जिसमें कहा गया था कि चादरें अदालत की अनुमति के बिना हटा दी गई थीं। पीठ ने कहा, चादरों को पूर्व अनुमति के बिना हटाना अनुचित था।

टीडीबी पेरियार बाघ अभयारण्य के भीतर स्थित भगवान अयप्पा मंदिर का प्रबंधन करता है। पीठ ने कहा कि विशेष आयुक्त से पूर्व मंजूरी लेने की आवश्यकता वाले आदेश पहले से ही मौजूद हैं। उसने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे मामलों में उच्च न्यायालय की मंजूरी आवश्यक है। पीठ ने कहा कि पूर्व अनुमति लेने के लिए पर्याप्त समय था। उसने टीडीबी को शुक्रवार को मामले के सिलसिले में रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

सबरीमला विशेष आयुक्त ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आमतौर पर सोने के आभूषणों की मरम्मत का काम उच्च न्यायालय से अनुमति लेने के बाद मंदिर परिसर में ही किया जाता है। उन्होंने टीडीबी से सख्त निर्देश देने का अनुरोध किया है कि वह अदालत की पूर्व अनुमति के बिना सन्निधानम (मंदिर परिसर) या भगवान अयप्पा मंदिर से सटे मलिकप्पुरम मंदिर में कोई भी महत्वपूर्ण रखरखाव कार्य न करे।

इससे पहले, टीडीबी ने मीडिया में आई उन खबरों को मंगलवार को खारिज कर दिया था, जिनमें दावा किया गया था कि सबरीमला मंदिर में श्रीकोविल के दोनों ओर स्थित स्वर्ण द्वारपालक मूर्तियों को बिना पूर्व अनुमति के हटा दिया गया और मरम्मत के लिए चेन्नई ले जाया गया। टीडीबी अध्यक्ष पीएस प्रशांत ने एक बयान में कहा कि ऐसी खबरें बेबुनियाद हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों द्वारपालक मूर्तियों के ऊपर लगी तांबे की चादरों को मंदिर तंत्री और बोर्ड की सहमति से आवश्यक मरम्मत के लिए चेन्नई ले जाया गया है।

रैपर वेदान को दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। वेदान के नाम से मशहूर रैपर हीरादास मुरली को बुधवार को पुलिस ने बलात्कार के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया। थ्रिक्काकारा पुलिस ने घंटों पूछताछ के बाद औपचारिक रूप से मुरली को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, उन्हें जल्द ही रिहा किया जा सकता है क्योंकि केरल उच्च न्यायालय ने पिछले महीने उन्हें इस मामले में अग्रिम जमानत दे दी थी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, उनकी गिरफ्तारी दर्ज कर ली गयी है। अब उन्हें चिकित्सा जांच के लिए ले जाया गया है। उसके बाद कुछ और पूछताछ की जाएगी और आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जाएगी। उन्हें बाद में जमानत पर रिहा कर दिया जाएगा।''

रैपर को दो दिन, मंगलवार और बुधवार को जांच अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। पुलिस ने मंगलवार को भी उनसे कुछ घंटों तक पूछताछ की थी। केरल उच्च न्यायालय ने 27 अगस्त को रैपर हीरादास मुरली को दुष्कर्म के एक मामले में अग्रिम जमानत दे दी थी। एक महिला चिकित्सक ने उन पर शादी का वादा करके यौन संबंध बनाने और बाद में मुकर जाने का आरोप लगाया था। महिला चिकित्सक ने उन पर 2021 से 2023 के बीच कई बार यौन उत्पीड़न करने का भी आरोप लगाया है।

न्यायालय में कोई नया हलफनामा पेश नहीं किया गया : टीडीबी अध्यक्ष ने सबरीमला मुद्दे पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पतनमतिट्टा/भाषा। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अध्यक्ष पी.एस. प्रशांत ने बुधवार को कहा कि बोर्ड द्वारा 2016 में उच्चतम न्यायालय में पेश किए गए आखिरी हलफनामे में सबरीमला मंदिर में युवतियों के प्रवेश से जुड़े पारंपरिक रीति-रिवाजों और अनुष्ठानों की रक्षा करने का अनुरोध किया गया था। प्रशांत ने यहां संवाददाताओं से कहा कि इसके बाद से कोई नया हलफनामा पेश नहीं किया गया है और पिछला हलफनामा अब प्रासंगिक नहीं है।

प्रशांत इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या टीडीबी भगवान अयप्पा मंदिर में मासिक धर्म आयु वर्ग की महिलाओं के प्रवेश के संबंध में उच्चतम न्यायालय में अपना रुख बदलेगा। विपक्षी दल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने टीडीबी से इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। टीडीबी अध्यक्ष ने कहा कि पिछले चार-पांच वर्षों में सबरीमला मंदिर में सभी रीति-रिवाजों का बिना किसी चूक के सख्ती से पालन किया गया है।

उन्होंने कहा, ''यह मामला उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ के समक्ष लंबित है। जहां तक टीडीबी का सवाल है, बोर्ड द्वारा 2016 में प्रस्तुत अंतिम हलफनामे में महिलाओं के प्रवेश के मुद्दे पर मंदिर के रीति-रिवाजों और परंपराओं की रक्षा करने का प्रयास किया गया था।'' भगवान अयप्पा मंदिर में सुचारू रूप से चल रही गतिविधियों का उल्लेख करते हुए प्रशांत ने कहा कि पिछली वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान 54 लाख तीर्थयात्रियों ने पहाड़ी पर स्थित इस मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने कहा कि सरकार, टीडीबी, पंडालम राजपरिवार, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न संगठनों के समन्वित प्रयासों से पिछला तीर्थयात्रा सत्र बिना किसी शिकायत के पूरा हो सका। प्रशांत ने कहा, ''यही हमारा उद्देश्य है। आगामी वैश्विक अयप्पा संगमम का उद्देश्य भी यही है। सबरीमला का विकास।''

उच्चतम न्यायालय ने 2018 में सबरीमला मंदिर में मासिक धर्म आयु वर्ग वाली महिलाओं के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को ''असंवैधानिक'' करार देते हुए हटा दिया था। इस फैसले के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए और यह अब भी एक वृहद पीठ के समक्ष विचाराधीन है। सबरीमला में भगवान अयप्पा मंदिर में रजस्वला आयु वर्ग की दो महिलाओं के प्रवेश की अनुमति देने के लिए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की सरकार को अयप्पा भक्तों के एक वर्ग, कांग्रेस नीत गठबंधन और संघ परिवार की ओर से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था।

टीडीबी अध्यक्ष 20 सितंबर को राज्य सरकार के सहयोग से आयोजित अयप्पा संगमम में शाही परिवार के सदस्यों को आमंत्रित करने के लिए यहां पंडालम पहुंचे। सबरीमला के पारंपरिक अनुष्ठानों और प्रथाओं में पूर्ववर्ती पंडालम राजपरिवार की महत्वपूर्ण भूमिका है। निमंत्रण के बारे में पूछे जाने पर प्रशांत ने कहा कि राजपरिवार को सभी जानकारी दे दी गई है।

इस बीच, पंडालम राजपरिवार के सदस्य एम आर सुरेश वर्मा ने कहा कि उन्होंने अयप्पा संगमम में अपनी भागीदारी के बारे में अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। उन्होंने कहा, ''हम इस मामले पर चर्चा करने के लिए परिवार के सदस्यों की एक बैठक करेंगे। इस संबंध में हम अगले सप्ताह निर्णय लेंगे।''

आवास परियोजनाओं के तहत बनाए जा रहे मकानों के लिए राशि आवंटन के प्रस्ताव पेश किए जाएंगे : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि आज गृह मंत्रालय ने 'कृष्णा' में आवास परियोजनाओं पर प्रगति समीक्षा बैठक की, जिसमें क्रियान्वित एवं चल रही आवास परियोजनाओं की स्थिति, अनुदान की जरूरत तथा अन्य मुद्दों पर जानकारी प्राप्त की गई तथा सुझाव दिए गए। सिद्दरामय्या ने बैठक की मुख्य बातों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत कुल 47,848 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें पिछली सरकार के दौरान निर्मित 43,874 आवास शामिल हैं।

इनमें से 13,303 आवास लगभग पूरे हो चुके हैं और कुल 25,815 आवास निर्माणाधीन हैं। सिद्दरामय्या ने कहा कि इसमें लाभार्थियों से कुल 134 करोड़ रुपए एकत्रित किए जा चुके हैं। पहले चरण में 7,900 आवास लगभग पूरे हो चुके हैं और लाभार्थियों की अंशदान राशि 216 करोड़ रुपए है। इस बकाया राशि के भुगतान के लिए एक उपयुक्त प्रस्ताव तैयार किया जाना जरूरी है, जिसमें हुडको से ऋण प्राप्त करना भी शामिल है, ताकि आवासों का आवंटन संभव हो सके। सिद्दरामय्या ने कहा कि स्लम बोर्ड के अंतर्गत 42,000 मकान बनाए जा रहे हैं और हमारी सरकार सड़क और सीवरेज सहित आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए अनुदान उपलब्ध कराएगी।

सिद्दरामय्या ने कहा कि अंबेडकर आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत बजट में 900 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। इस योजना के अंतर्गत 94,939 आवासों का निर्माण किया जा रहा है व 56,682 आवासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सिद्दरामय्या ने कहा कि विभिन्न आवास परियोजनाओं के तहत बनाए जा रहे मकानों को पूरा करने के लिए जरूरी राशि के आवंटन के प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे, उन्हें स्वीकृत किया जाएगा तथा उन्हें शीघ्र पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठकर न्याय दिलाना ज़रूरी है : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मुख्यमंत्री को सलाह देते हुए कहा कि ''माननीय सिद्दरामय्या, यह महत्वपूर्ण नहीं है कि आप राज्य में कितने समय तक मुख्यमंत्री (मुख्यमंत्री) रहे; सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि क्या आपने उस कुर्सी पर बैठकर सभी समुदायों को न्याय दिलाया है।''

अनुसूचित जाति आरक्षण को अवैज्ञानिक तरीके से वर्गीकृत करने और बंजारा, भोवी, कोराचा और कोरवा समुदायों के साथ अन्याय करने के आरोप में कांग्रेस सरकार के खिलाफ आज सुबह फ्रीडम पार्क में 'बेंगलूरु चलो' नामक एक विशाल विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को इस कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्रीजी, घर तोड़ना आसान है। घर बनाना बहुत मुश्किल है। राज्य की जनता ने आपको आशीर्वाद दिया है और राज्य में कांग्रेस सरकार को सत्ता में लाया है। उन्होंने कहा कि इस राज्य की जनता सभी अनुसूचित जातियों, अनुसूचित समुदायों और खानाबदोश समुदायों के लिए न्याय चाहती है।

उन्होंने आपत्ति जताई कि सत्ता में आने के बाद से कांग्रेस सरकार शोषितों को न्याय दिलाने में पूरी तरह से लापरवाह रही है। बंजारा, भोवी, कोराचा, कोरवा और खानाबदोश समुदाय बड़ी संख्या में इसमें शामिल हैं। जब पहले भाजपा सरकार सत्ता में थी, तब आपके समाज के साथ अन्याय न हो, इसके लिए 4.5 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था। खानाबदोश समुदाय को न्याय दिलाने के लिए 1 प्रतिशत अलग से रखा गया था।

उन्होंने बताया कि जब बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार सत्ता में थी, तब उसने आपके पक्ष में फैसला लिया था। मुख्यमंत्री रहते हुए येडीयुरप्पा ने टांडा विकास निगम और बोवी विकास निगम का गठन किया था। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि येडीयुरप्पा ने पहले यह सुनिश्चित किया था कि खानाबदोश समुदायों, कोराचा और कोरमा के साथ अन्याय न हो। आज, कांग्रेस सरकार अंग्रेजों की विभाजनकारी नीति पर चल रही है। कांग्रेस पार्टी सत्ता में आई और अंग्रेजों की विभाजनकारी नीति का पालन किया। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बंजारा, भोवी, कोराचा, कोरवा और खानाबदोश समुदायों के साथ अन्याय किया है और समाज में ज़हरीले बीज बोए हैं। उन्होंने कहा कि भगवान भी मुख्यमंत्री को माफ़ नहीं कर सकते। इस अवसर पर पूर्व सांसद डॉ. उमेश जाधव, विधायक प्रभु चौहान, एम. चंद्रप्पा, पूर्व मंत्री और विधान परिषद सदस्य सुनील वलयापुरे, पूर्व मंत्री अरविंद लिंबावली, पूर्व विधायक पी. राजीव, देवनहल्ली चंद्रप्पा, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक और समुदाय के नेता उपस्थित थे।

தொழிலாளர் அரசு காப்பீட்டுக் கழகம்
(தொழிலாளர் மற்றும் வேலைவாய்ப்பு அமைச்சகம், இந்திய அரசு)
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employment, Govt. of India)
क.रा.बी.नि E.S.I.C

மண்டல அலுவலகம்/क्षेत्रीय कार्यालय / Regional Office
143, ஸ்டெர்லிங் சாலை, நுங்கம்பாக்கம், சென்னை - 600034.
143, स्टर्लिंग रोड, नुंगमबाक्कम, चेन्नै - 600034.
143, Sterling Road, Nungambakkam, Chennai - 600034.
Phone: 044-28306300 (100 Lines)
E-mail: rd-tamilnadu@esic.gov.in
Website: www.esic.gov.in/www.rotamilnadu.esic.gov.in
सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम शाखा कार्यालय (ओं) के लिए आवास किराए पर लेने हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रण सूचना। / NOTICE INVITING e-TENDER THROUGH GeM PORTAL FOR HIRING ACCOMODATION FOR ESIC BRANCH OFFICE(S)

क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी), क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै द्वारा इच्छुक एवं पात्र मकान मालिकों से क.रा.बी.निगम शाखा कार्यालयों हेतु आवासीय/कार्यालयीन परिसर किराये पर उपलब्ध कराने के लिए जेम पोर्टल के माध्यम से ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं, जैसा कि निम्नलिखित विवरण में दिया गया है / The Regional Director (I/c), Regional Office, Chennai, invites e-Tender through GeM portal from the interested and eligible owners of the premises for hiring of accommodation on rental basis for ESIC Branch Office(s) as detailed below:-

क्रम संख्या/ Sl.No.	भौगोलिक क्षेत्र/स्थल जिसमें आवास की आवश्यकता है / Geographical Area/site in which accommodation required	वर्ग फुट में अपेक्षित क्षेत्रफल / Required area in Square feet
1	क.रा.बी.निगम शाखा कार्यालय - वेल्लोर, वेल्लोर जिला / ESIC Branch Office - Vellore, Vellore District	1000 वर्ग फुट/Sq.Ft
2	क.रा.बी.निगम शाखा कार्यालय - विलुप्पुरम, विलुप्पुरम जिला / ESIC Branch Office - Villupuram, Villupuram District	1000 वर्ग फुट/Sq.Ft
3	क.रा.बी.निगम शाखा कार्यालय - तिरुवन्नामलाई, तिरुवन्नामलाई जिला / ESIC Branch Office - Tiruvannamalai, Tiruvannamalai District	1000 वर्ग फुट/Sq.Ft
4	क.रा.बी.निगम शाखा कार्यालय - कल्लाकुरिची, कल्लाकुरिची जिला /ESIC Branch Office - Kallakurichi, Kallakurichi District	1000 वर्ग फुट/Sq.Ft
	जेम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि / Last date for online bid submission through GeM Portal	दिनांक 17.09.2025 को अपराह्न 02:00 बजे तक /17.09.2025 by 02.00 p.m.
	जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि और समय / Date of time of Opening of Tender through GeM Portal	17.09.2025 को अपराह्न 02:30 बजे / 17.09.2025 at 02.30 p.m.

अन्य सभी शर्तें एवं निविदा दस्तावेज़ www.esic.gov.in/tenders तथा www.gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।/All other terms & conditions and tender documents are available in www.esic.gov.in/tenders and www.gem.gov.in

हस्ता/- Sd/-
क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी), चेन्नै/ Regional Director (I/c),

लोगों को बाँटना और सांप्रदायिक तनाव बढ़ाना भाजपा नेताओं का काम : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को भाजपा नेताओं पर लोगों को बाँटने और सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया।

सदाशिवनगर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और ज़िला प्रभारी मंत्री ने मद्दुरु की घटना के बारे में बात की है। मुझे इस बारे में और कोई जानकारी नहीं है क्योंकि मैं यात्रा पर था। वह मद्दुरु में गणेश विसर्जन के दौरान पथराव की घटना और उसके बाद भाजपा नेताओं के दौरे पर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, भाजपा को विकास की कोई परवाह नहीं है। उनकी रुचि केवल राजनीति में है। उन्हें राज्य में लंबित सिंचाई परियोजनाओं को मंज़ूरी मिलनी चाहिए और राज्य में रुकी हुई परियोजनाओं के लिए धन भी मिलना चाहिए। बेंगलूरु शहर के विधायकों के साथ बैठक के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मंगलवार को होने वाली बैठक मेरे कोयंबटूर दौरे के कारण स्थगित कर दी गई।

ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के अंतर्गत पाँच निगमों के प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, मंत्रियों का काम सिर्फ़ अपने निर्वाचन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना नहीं है, उन्हें पूरे ज़िले पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमने कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में मंत्रियों को ज़िम्मेदारियाँ दी हैं क्योंकि हमारे उम्मीदवार चुनाव हार गए थे। हम उन्हें पार्टी की ज़िम्मेदारियाँ भी देंगे। कांग्रेस विधायक सतीश सैल की गिरफ़्तारी पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, उनकी गिरफ़्तारी की कोई ज़रूरत नहीं थी। इस मामले की जाँच 2010 से चल रही है। जाँच एजेंसियाँ सिर्फ़ कांग्रेस विधायकों को ही निशाना बना रही हैं।

उन्होंने कहा, जवाहर बाल मंच 24 बच्चों को राष्ट्रीय शिविर में भेज रहा है और मैं व्यक्तिगत रूप से यात्रा का खर्च उठा रहा हूँ। मैं शिविर में उनके अच्छे प्रदर्शन की कामना करता हूँ।

सहकारिता से देश-प्रदेश बन रहे आत्मनिर्भर : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सहकारिता को देश और प्रदेश को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने का द्वार बताते हुए कहा है कि सहकारिता को आमजन से जोड़ने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है ताकि उनके जीवन स्तर पर बड़ा बदलाव आए। शर्मा बुधवार को जयपुर के बिडला सभागार में सहकार भारती और सहकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रत्येक पंचायत को सहकारिता से जोड़ने के लिए ग्रामीण सहकारी समितियों (जीएसएस) की स्थापना पर कार्य किया जा रहा है। इससे किसानों को आसानी से बीज और खाद उपलब्ध हो पाएंगे। उन्होंने कहा कि अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओं को गहराई से समझते हैं। इन बैंकों ने छोटे उद्यमियों, दुकानदारों, कारीगरों और मध्यमवर्गीय परिवारों को आसान ऋण उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई है। ये आर्थिक सशक्तिकरण के प्रमुख वाहक के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा कि आज इसकी प्रदेश में 236 शाखाएं कार्यरत हैं। वहीं, सदस्य संख्या साढ़े चार लाख से भी अधिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सहकारिता अपने स्वर्ण काल से गुजर रही है। उनकी पहल पर सहकार से समृद्धि की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से वर्ष 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की गई। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए कई दूरगामी निर्णय किए हैं। हाल ही में केन्द्र सरकार ने देश में पहली विस्तृत राष्ट्रीय को-ऑपरेटिव पॉलिसी लॉन्च की है। साथ ही, पिछले चार वर्षों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, डेयरी, मत्स्य, सहकारी बैंकों, चीनी सहकारी संस्थाओं और सहकारी शासन प्रणाली को सशक्त बनाने के लिए 100 से अधिक पहल की हैं। शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में सहकारिता उपेक्षित रही। किसानों को ना समय पर बीज मिलते थे और ना ही पैसा। सहकारी बैंकों में एनपीए की स्थिति भी भयावह थी। उन्होंने कहा कि आज सहकारी बैंकों की एनपीए की स्थिति में व्यापक सुधार हुआ है और नई तकनीकों के माध्यम से सेवा में गुणवत्ता आई है। हमनें पारदर्शिता शिकायत निवारण की व्यवस्था भी लागू की है। अब भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सहकारिता को बढ़ावा देते हुए किसान और पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भण्डारण योजना के अन्तर्गत घमूड़वाली पैक्स में गोदाम, प्रसंस्करण यूनिट और कस्टम हायरिंग केन्द्र की स्थापना जैसे कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना से गोपालकों को लाभान्वित किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि सहकारी बैंकों के माध्यम से राज्य सरकार ने अब तक किसानों को लगभग 42 हज़ार 394 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त अल्पकालिक फसली ऋण उपलब्ध कराए हैं तथा करीब 404 करोड़ रुपये के फसली ऋण वितरित किए हैं।सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। सहकारिता क्षेत्र में हो रहे नवाचारों में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सहकारिता आंदोलन अहम भूमिका निभाएगा। आरबीआई के निदेशक सतीश मराठे ने कहा कि देश की आर्थिक धारा में सहकारी बैंकों की भूमिका निरंतर महत्वपूर्ण होती जा रही है। अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक ग्रामीण और शहरी उपभोक्ताओं के बीच वित्तीय समावेशन का सशक्त माध्यम है, जिनसे छोटे व्यापारी, मध्यम वर्ग और उद्यमी वर्ग को वित्तीय सहायता सरलता से उपलब्ध हो रही है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने सहकार भारती द्वारा प्रकाशित मार्गदर्शिका का विमोचन किया। उन्होंने संस्थान द्वारा शुरू किए गए सदस्यता अभियान के एप का लोकार्पण कर सदस्यता भी ली।

जबरन धर्मांतरण और लव जेहाद पर लगेगी प्रभावी रोक : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कानून लेकर आई है जिससे लव जेहाद और जबरन धर्मांतरण पर प्रभावी रोक लगेगी। शर्मा बुधवार को जयपुर के बिडला सभागार में सहकार भारती और सहकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य सरकार जबरन धर्मांतरण के खिलाफ राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 लेकर आई है, जिसे मंगलवार को विधानसभा ने पारित कर दिया। इस क़ानून से लव जेहाद और जबरन धर्मांतरण पर प्रभावी रोक लगेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार के समय में प्रदेश में अवैध धर्मांतरण में लिप्त गिरोह सक्रिय थे। आदिवासी भाई-बहनों को बहला-फुसलाकर कर धर्मांतरण कराया जाता था और लव जेहाद एक बड़ी समस्या के रूप में उभरा था। इस कड़े क़ानून को बनाकर हमारी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो कोई भी इन गतिविधियों में शामिल है, वो अपनी हरकतों से बाज आ जाए, नहीं तो जेल की सलाखें उनका इंतज़ार कर रही है।

भरतपुर में युवक ने विवाहिता पर गोली चलाने के बाद आत्महत्या की : पुलिस

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में बुधवार को एक युवक ने पड़ोस में रहने वाली विवाहिता पर गोली चला दी और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि विवाहिता के हाथ में गोली लगी और उसका इलाज चल रहा है। प्रथम दृष्टया इसे 'एकतरफा प्रेम' का मामला बताया जा रहा है। भरतपुर के वृत्ताधिकारी पंकज यादव ने बताया कि आरोपी रामबाबू (40) महिला के घर की छत पर पहुंचा जहां वह कपड़े धो रही थी और उस पर गोली चला दी। महिला के हाथ में गोली लगी। उन्होंने बताया कि कुछ ही देर बाद रामबाबू ने खुद को भी सिर में गोली मार ली। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना मथुरा गेट थाना क्षेत्र में हुई।

युवक के पास से मिले कथित पत्र में उसने लिखा था कि वह महिला को मार डालेगा और अपनी जान दे देगा क्योंकि महिला का पति उसे विवाहिता से मिलने नहीं दे रहा था। यादव ने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि वह महिला को रिश्ता बनाने के लिए मजबूर कर रहा था। उन्होंने बताया कि रामबाबू उत्तर प्रदेश का रहने वाला था और महिला के घर के पास किराए के मकान में रहता था। वह मजदूरी करता था।

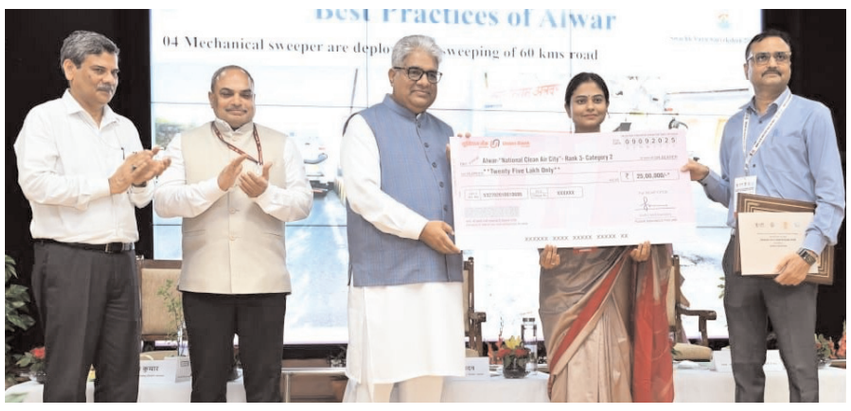

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण एवं वेटलैंड सिटी मान्यता समारोह में राजस्थान का बढ़ा मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2025 में राजस्थान के अलवर और उदयपुर जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इस सर्वेक्षण में 130 शहरों का मूल्यांकन किया गया था, जिनमें से 11 बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों को सम्मानित किया गया। अलवर इनमें शामिल रहा और इसे क्लीन एयर फॉर ऑल के लक्ष्य की दिशा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया।इसी के साथ, राजस्थान के उदयपुर शहर को रामसर कन्वेंशन के अंतर्गत वेटलैंड सिटी एक्रिडिटेशन स्कीम में भारत के पहले दो वेटलैंड सिटीज़ में स्थान मिला। यह गौरवशाली उपलब्धि राजस्थान को सतत पर्यावरण संरक्षण और वेटलैंड प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है। यह पुरस्कार/प्रमाणपत्र समारोह इंदिरा पर्यावरण भवन, नई दिल्ली स्थित गंगा सभागार में आयोजित हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि रहे और उन्होंने पुरस्कार प्रदान किए।

राजस्थान की ओर से जिला कलक्टर, अलवर, नगर निगम आयुक्त, अलवर तथा जिला कलक्टर, उदयपुर ने इस समारोह में भाग लिया और अपने-अपने शहरों की ओर से यह सम्मान ग्रहण किया। इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) राजस्थान के निदेशक प्रतीक जुयिकर ने कहा की राजस्थान के शहरों का यह सम्मान पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। यह न केवल स्वच्छ वायु और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार के सतत प्रयासों को दर्शाता है, बल्कि राजस्थान के नागरिकों में जागरूकता और जनसहभागिता की शक्ति को भी प्रदर्शित करता है। अलवर और उदयपुर की यह उपलब्धि आने वाले समय में अन्य शहरों को भी प्रेरणा देगी।

राजस्थान में भारी बारिश का दौर थमा

जयपुर। राजस्थान में भारी बारिश का दौर थम गया है और बीते चौबीस घंटे में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकतर हिस्सों में अगले सप्ताह भारी बारिश नहीं होगी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बुधवार की सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान सादुलशहर (गंगानगर) में सबसे अधिक 17.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान पश्चिमी हिस्से में कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई। साथ ही मौसम केंद्र ने बताया कि कोटा, भरतपुर, जयपुर, अजमेर, उदयपुर संभाग के अधिकतर भागों में आगामी एक सप्ताह बारिश की गतिविधियों में गिरावट जारी रहने तथा केवल छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। इसी तरह पश्चिमी राजस्थान के अधिकतर भागों में भी आगामी दिनों में बारिश की गतिविधियों में तेजी से गिरावट होने की संभावना है और 11 सितंबर से ज्यादातर भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा।

सदन में विपक्ष की तरफ अतिरिक्त कैमरे लगाने के मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों का हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के सदन में विपक्ष की तरफ कथित अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने का मुद्दा बुधवार को भी छाया रहा और कांग्रेस विधायकों ने प्रश्नकाल में सदन से बहिर्गमन किया। हंगामे के कारण शून्यकाल में सदन की कार्यवाही एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस मुद्दे को फिर उठाया और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से व्यवस्था देने की अपील की। देवनानी ने कहा कि वह प्रश्नकाल के बाद इस मुद्दे पर अपनी व्यवस्था देंगे। लेकिन जूली प्रश्नकाल में ही व्यवस्था देने की मांग करने लगे और कहा कि अध्यक्ष जब तक इस मुद्दे पर व्यवस्था नहीं देंगे तब तक वह सदन की कार्यवाही में भाग नहीं ले सकते। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने आसन के समक्ष आकर नारेबाजी शुरू कर दी। लगभग 15 मिनट नारेबाजी तथा हंगामा करने के बाद कांग्रेस विधायकों ने सदन से बहिर्गमन किया। शून्यकाल शुरू होते ही संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा।

इस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच वादविवाद होने लगा। सदन में हंगामा थमते न देख अध्यक्ष ने कार्यवाही एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर मंगलवार को भी सदन में हंगामा किया था। नेता प्रतिपक्ष जूली ने विपक्ष की तरफ अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने को गलत तथा सदन की परंपरा के विपरीत बताया।

इससे पहले कांग्रेस विधायकों ने आज विधायकों के क्वार्टर से विधानसभा परिसर तक पैदल मार्च करके विरोध जताया। कांग्रेस विधायक 'जासूसी करना बंद करो' के नारे लगाते हुए विधानसभा परिसर में पहुंचे और विरोध-प्रदर्शन किया।

नए उद्योगों के विकास के लिए सरकार हर संभव मदद को तैयार : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में नए उद्योगों को विकसित करने के लिए हर संभव सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि रीको औद्योगिक क्षेत्र डीडवाना में नए उद्योग विकसित हो रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि पानी की उपलब्धता होने पर पानी की टंकी बनवाकर उद्योगों को जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही नवगठित जिला डीडवाना-कुचामन में उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र कार्यालय भी शीघ्र ही स्थापित किया जाएगा। उद्योग मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में लोगों द्वारा इन्वेस्मेंट की दृष्टि से जमीनें खरीद ली जाती हैं। जिसके कारण नए उद्योग नहीं लगने से औद्योगिक क्षेत्रों का विकास नहीं हो पाता है।

इससे पहले विधायक यूनुस खान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब

में उद्योग मंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र डीडवाना में एक रीको औद्योगिक क्षेत्र स्थापित है। वर्ष 1998 में स्थापित यह औद्योगिक क्षेत्र उपखण्ड डीडवाना जिला डीडवाना-कुचामन में मेगा हाईवे से लगभग 02 कि.मी. दूरी पर सूपका रोड़ पर स्थित है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में रीको औद्योगिक क्षेत्र डीडवाना में आधारभूत सेवायें जैसे सड़क, पावर लाईन, स्ट्रीट लाईट आदि उपलब्ध है। पानी की सुविधा इस औद्योगिक क्षेत्र में अभी उपलब्ध नहीं करवायी गयी है।

कर्नल राठौड़ ने कहा कि वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्र डीडवाना में विद्युत आपूर्ति 132 केवी जीएसएस दयालपुरा से निकलने वाले 33 केवी ललासरी फीडर संचालित है, जिस पर 33/11 केवी के दो सब-स्टेशन ललासरी एवं रीको डीडवाना स्थापित है।

हमारे जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने जनता के बीच जाकर उनके आंसू पोंछे : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सदन की अपनी परंपराएं और गरिमा होती हैं, लेकिन विपक्ष केवल सस्ती लोकप्रियता के लिए सदन का समय बर्बाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 8 करोड़ जनता की समस्याओं के समाधान के लिए ही यह सदन कार्य करता है। विपक्ष जिस तरह से व्यवधान डाल रहा है, उसे प्रदेश की जनता देख रही है और समय आने पर उन्हें माफ़ नहीं करेगी।

शर्मा ने बुधवार को विधानसभा में दिए अपने बयान में कहा कि मानसून सत्र जनता की समस्याओं पर ध्यान आकर्षित करने और समस्याओं से जुड़कर उनके समाधान के लिए आहूत किया गया है। लेकिन विपक्ष की ओर से ऐसा कोई ठोस मुद्दा नहीं रखा गया जिससे जनता की वास्तविक आवाज सदन तक पहुंच सके। शर्मा ने कहा कि हाल ही में हुई अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने एवं प्रभावित लोगों के दुख दर्द बांटने के लिए विपक्ष का कोई भी नेता या जनप्रतिनिधि जनता के बीच नहीं गया।

जबकि राज्य सरकार के सासंद, मंत्री, विधायक और अधिकारियों ने फील्ड में जाकर प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया तथा पीड़ित जनता की मदद कर उनके आंसू पोंछे। हैं। उन्होंने कहा कि जनता के हित में उठाई गई मेरी आवाज को विपक्ष नहीं दबा सकता।

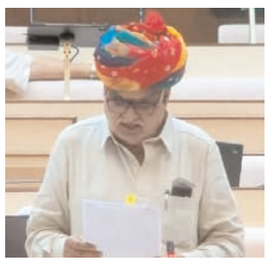

भूमि अधिग्रहण का कार्य पूर्ण होते ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा : खर्रा

जयपुर। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि जिन कार्यों के लिए भूमि की उपलब्धता नहीं है,उनके अधिग्रहण के प्रयास विभाग द्वारा किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण का कार्य पूर्ण होते ही निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। खर्रा प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। विधानसभा क्षेत्र सिविल लाइंस में 101.25 करोड़ रुपए के कार्य स्वीकृत किए गए तथा 9.48 करोड़ रुपए के दो कार्य उच्च स्तर पर परीक्षण के बाद संभाव्य व डिजाइन दृष्टिगत नहीं पाए जाने के कारण निरस्त कर दिए गए।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर कार्यशाला आत्महत्या से जुड़े मिथक एवं तथ्यों की दी जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' पर अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला की अध्यक्षता में बुधवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज सभागार में राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य के विषय विशेषज्ञों, इस क्षेत्र में कार्य कर रहे डवलपमेंट पार्टनर्स के प्रतिनिधियों एवं नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान आत्महत्या रोकथाम से जुड़े मिथक व तथ्य विषय पर तैयार पोस्टर का भी विमोचन किया गया। अतिरिक्त मिशन निदेशक ने कहा कि मेडिकल प्रोफेशन से जुड़े चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ आदि स्वयं के साथ अन्य हजारों जिंदगियों के साथ जुड़े हुए होते हैं। उन्हें चाहिए कि प्रोफेशनल करियर के दौरान रोगियों में मानसिक स्वास्थ्य के लक्षणों को पहचानते हुए उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान करने पर विशेष ध्यान दें। साथ ही स्वयं भी मानसिक रूप से स्वस्थ रहें। उन्होंने बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा समग्र दृष्टिकोण के साथ निरामय राजस्थान अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान में प्रत्येक माह निर्धारित थीम पर जागरुकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 10 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक शिक्षण संस्थानों यथा स्कूलों, कॉलेजों एवं कोचिंग संस्थानों में आउटरीच एवं आईईसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

डॉ. टी. शुभमंगला ने कहा कि समाज में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं की रोकथाम के लिये प्रदेश में गेटकीपर कार्यक्रम संचालित किया जाएगा, जिसके शुरुआती चरण में मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत हताश, निराश और आत्महत्या की सोच रखने वालों को गेटकीपर के रूप में आसानी से प्रभावी मोटिवेटर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि टेलीमानस टोल फ्री हेल्पलाइन 14416 अथवा 1800-89-14416 के माध्यम से प्रभावी परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

संभल के एक गाँव में सदियों से 'पितृ पक्ष' में नहीं किए जाते श्राद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के एक गाँव में 'पितृ पक्ष' के दौरान श्राद्ध कर्म न करने की लगभग सौ वर्षों से चली आ रही परंपरा का पालन आज भी किया जा रहा है। इस दौरान न तो किसी ब्राह्मण को तर्पण के लिए बुलाया जाता है और न ही गाँव में भिक्षा दी जाती है।

गुन्नौर तहसील के यादव बहुल भगता नगला गाँव के ग्रामीणों के अनुसार, पितृ पक्ष के पूरे पखवाड़े में कोई भी श्राद्ध कर्म नहीं किया जाता। यहाँ तक कि भिखारी भी गाँव में प्रवेश नहीं करते, क्योंकि इन दिनों कोई दान या भिक्षा नहीं दी जाती।

ग्रामीणों के अनुसार, इस परंपरा की शुरुआत लगभग एक सदी पहले हुई थी। मान्यता है कि एक ब्राह्मण महिला किसी परिजन की मृत्यु के बाद के कर्मकांड के लिए गाँव आई थी, लेकिन भारी वर्षा के कारण यहीं रुक गई। जब वह कुछ दिन बाद अपने घर लौटी, तो उसके पति ने उस पर चरित्रहीनता का आरोप लगाते हुए उसे घर से निकाल दिया। ग्रामीण बताते हैं कि व्यथित होकर वह महिला वापस भगता नगला लौट आई और इस दुर्भाग्य के लिए अपनी यात्रा को कारण मानते हुए गाँव को श्राप देते हुए कहा भविष्य में यदि इस गाँव में श्राद्ध किया गया, तो वह दुर्भाग्य लाएगा। गाँव के लोगों ने उसके शब्दों को श्राप मानकर श्राद्ध कर्म करना पूरी तरह से बंद कर दिया। तब से यह परंपरा चली आ रही है।

गाँव की प्रधान शांति देवी और उनके पति रामदास ने बताया कि गाँव में लगभग 2,500 निवासी हैं, जिनमें अधिकतर यादव समुदाय से हैं। कुछ मुस्लिम और कुछ ब्राह्मण परिवार भी हैं। रामदास ने कहा, उस घटना के बाद हमारे बुजुर्गों ने श्राद्ध करना बंद कर दिया था। हम उनकी मान्यताओं का पालन करते हैं और आज भी यह परंपरा जारी है। यहाँ तक कि भिखारी भी इन दिनों गाँव में नहीं आते।

एक अन्य ग्रामीण हेतराम सिंह (62) ने बताया कि अतीत में जब किसी ने इस परंपरा को तोड़ने की कोशिश की, तो भीषण समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिससे लोगों का विश्वास और दृढ़ हो गया।

कब्जा मुक्त कराएं जमीन, दबंगों को सिखाएं कानूनी सबक: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को किसी दबंग द्वारा गरीबों की जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने की स्थिति उसे तुरंत कब्जामुक्त कराने और उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के बुधवार को निर्देश दिए। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर लगभग 200 फरियादियों से मुलाकात की और आश्वस्त किया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा, ''जो लोग किसी जमीन पर अवैध कब्जा करते हैं और कमजोरों को उजाड़ते हैं, उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा न जाए। उनके खिलाफ विधि सम्मत कड़ी कार्रवाई की जाए। सरकार संकल्पित है कि किसी के साथ अन्याय न हो और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली आए।'' मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए त्वरित और संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए।

जनता दर्शन के दौरान एक महिला ने दबंगों द्वारा उसकी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत की जिस पर मुख्यमंत्री ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करें और सुनिश्चित करें कि कोई भी दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न कर सके।

मुख्यमंत्री के समक्ष कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर भी पहुंचे। इस पर योगी ने आश्वासन दिया कि सरकार हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी। उन्होंने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों को पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता से निस्तारित करने के निर्देश दिए और कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग अपने बच्चों के साथ पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को प्यार से दुलारा, उनसे उनके नाम और स्कूल के बारे में पूछा और उन्हें चॉकलेट दी। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सरकार का लक्ष्य समाज के कमजोर वर्गों को आर्थिक संबल प्रदान करना : नीतीश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सरकार का लक्ष्य समाज के कमजोर और हाशिये पर खड़े वर्गों को आर्थिक संबल प्रदान करना है और इसी के तहत अब सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत बढ़ी हुई राशि प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 1 अणे मार्ग पर सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना को लेकर आयोजित कार्यक्रम में नीतीश कुमार ने यह बात कही। इस दौरान कुमार ने मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना समेत छह प्रमुख पेंशन योजनाओं के 1.13 करोड़ लाभार्थियों के खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 1263.95 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री ने कहा, ''वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं को अब हर माह 400 रुपये की जगह 1100 रुपये पेंशन दी जा रही है। यह वृद्धि जून 2025 से लागू की गई है। कोई भी योग्य पेंशनधारी छूटे नहीं, इसका विशेष ख्याल रखा जाए।''

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के समक्ष सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना, विधवा पेंशन, निःशक्तता पेंशन समेत छह प्रमुख पेंशन योजनाओं की राशि लाभार्थियों के खातों में अंतरित की गई। इनमें सबसे ज्यादा 51.98 लाख लाभार्थी मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना के थे, जिनके खातों में 585.87 करोड़ रुपये अंतरित किए गए।

कांग्रेस की मुख्य चिंता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करना : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जूनागढ़ (गुजरात)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी की मुख्य चिंता संविधान और लोकतंत्र को बचाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग इन संस्थाओं की रक्षा के लिए काम नहीं कर रहे हैं।

खरगे यहां पार्टी के जिला और नगर अध्यक्षों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन करने से पहले पत्रकारों से बात कर रहे थे। खरगे ने कहा, लोकतंत्र में चुनाव लड़ना आम बात है। हमारा मुख्य मुद्दा संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करना है। गुजरात वह भूमि है जहां महात्मा गांधी और वल्लभभाई पटेल जैसे लोगों ने जन्म लिया और देश को आजादी दिलाने के लिए काम किया। वे सम्मान के पात्र हैं क्योंकि उन्हीं की बदौलत देश स्वतंत्र और एकजुट है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों ''देश के संविधान की रक्षा नहीं करना चाहते और लोकतंत्र को बचाना नहीं चाहते।'' कांग्रेस के 'संगठन सृजन अभियान' (पार्टी संगठन को मजबूत करने का अभियान) के तहत 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 10 से 19 सितंबर तक जूनागढ़ में आयोजित किया गया है, जहां पार्टी नेता राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। इस वर्ष गुजरात में आयोजित होने वाला पार्टी का यह दूसरा प्रशिक्षण शिविर है। पहला प्रशिक्षण शिविर आणंद में आयोजित किया गया था, जहां विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को संबोधित किया था।

असम इस कठिन समय में हिमाचल के साथ दृढ़ता से खड़ा है : मुख्यमंत्री हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि राज्य ''इस कठिन समय में हिमाचल प्रदेश के भाइयों और बहनों के साथ दृढ़ता से खड़ा है।'' हिमाचल प्रदेश सरकार के अनुसार, इस साल 20 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से हिमाचल प्रदेश में वर्षा से जुड़ी घटनाओं में कुल 378 लोगों की मौत हो चुकी है और राज्य को अब तक 4,156 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि असम के 3.5 करोड़ लोग इस कठिन समय में हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हैं। असम के ऊर्जा मंत्री प्रशांत फूकन ने नई दिल्ली में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को पांच करोड़ रुपये का चेक सौंपा। फूकन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''असम की जनता और सरकार की ओर से, हमने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री राहत कोष में पांच करोड़ रुपये का योगदान दिया है। इस कठिन समय में, असम हिमाचल प्रदेश के साथ खड़ा है।''

कुकी-जो संगठनों ने प्रधानमंत्री की यात्रा का स्वागत किया, नृत्य कार्यक्रमों पर आपत्ति जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/चुराचांदपुर/भाषा। मणिपुर में कुकी-जो समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले कई संगठनों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 13 सितंबर को राज्य की संभावित यात्रा का स्वागत किया, लेकिन उनके स्वागत समारोह के तहत नृत्य कार्यक्रम की योजना का विरोध किया। 'इंफाल हमार विस्थापित समिति' ने दावा किया कि प्रधानमंत्री को स्वागत समारोह में भाग लेने के बजाय जातीय हिंसा से प्रभावित लोगों से बातचीत करनी चाहिए।

चुराचांदपुर जिले के गंगटे छात्र संगठन ने कहा कि वह प्रधानमंत्री के संभावित दौरे का स्वागत करेगा, लेकिन हम आंखों में आंसू लेकर नाच नहीं सकते! 'इंफाल हमार विस्थापित समिति' ने एक बयान में कहा, हमारा शोक अभी खत्म नहीं हुआ है, आंसू अभी सूखे नहीं हैं, घाव भरे नहीं हैं, हम खुशी से नाच नहीं सकते। समिति ने कहा कि प्रधानमंत्री को स्वागत समारोह में भाग लेने के बजाय राहत शिविरों में रह रहे विस्थापित लोगों से मिलना चाहिए। हालांकि, चुराचांदपुर स्थित छात्र संगठन ने दावा किया कि प्रधानमंत्री की उपस्थिति से जातीय हिंसा से प्रभावित लोगों को अपने जख्मों पर मरहम लगाने और अपनी शिकायतें व्यक्त करने में मदद मिलेगी। कुकी समुदाय के शीर्ष संगठन 'कुकी इनपी मणिपुर' ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री का राज्य में स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन इस यात्रा से कुकी-जो लोगों की सामूहिक आकांक्षाओं को न्याय और मान्यता भी मिलनी चाहिए।

अगले दो वर्षों में लगभग 10 लाख आवारा कुत्तों को माइक्रोचिप लगाई जाएगी : कपिल मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने बुधवार को घोषणा की कि अगले दो वर्षों में राष्ट्रीय राजधानी में लगभग 10 लाख आवारा कुत्तों को माइक्रोचिप लगाई जाएगी।

दिल्ली सचिवालय में पशु कल्याण बोर्ड की एक बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

विकास मंत्री ने बताया कि अगले दो वर्षों में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के सहयोग से दिल्ली में लगभग 10 लाख आवारा कुत्तों को माइक्रोचिप लगाई जाएगी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक का उद्देश्य पशु कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करना और दिल्ली के लिए एक ठोस कार्य योजना तैयार करना था। बैठक में राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई।

बयान में कहा गया कि विश्व रेबीज दिवस के निकट आने के साथ यह निर्णय लिया गया कि दिल्ली में रेबीज नियंत्रण के लिए व्यापक उपाय किए जाएंगे। इनमें कुत्तों के काटने की घटनाओं को कम करने और टीकाकरण प्रक्रिया का डिजिटलीकरण शामिल है।

मिश्रा ने निर्देश दिया कि सटीक आंकड़े और भविष्य की ठोस योजना सुनिश्चित करने के लिए कुत्तों की गणना और निगरानी प्रणाली जल्द से जल्द लागू की जाए।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि दिल्ली में पालतू जानवरों की दुकानों का पंजीकरण अनिवार्य किया जाएगा, जिसके लिए एक विशेष निगरानी समिति का गठन किया जाएगा।

मिश्रा ने कहा कि सभी संबंधित नियम जल्द लागू किए जाएंगे और स्थानीय स्तर पर निगरानी और कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक क्षेत्रीय समिति को सक्रिय किया जाएगा।

'इंडि' गठबंधन एकजुट रहे तो भाजपा को हराया जा सकता है : अय्यर

नई दिल्ली/भाषा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा है कि 'इंडिया' गठबंधन के पास चुनावों में भाजपा को हराने की क्षमता है, बशर्ते वह एकजुट होकर आपस में प्रभावी ढंग से समन्वय करे और देश में लोकतंत्र के ''तेजी से हो रहे पतन'' को रोकने में भूमिका अदा करे। उन्होंने मंगलवार को वरिष्ठ पत्रकार और लेखक प्रेम शंकर झा की नवीनतम पुस्तक, 'द डिसमेंटलिंग ऑफ़ इंडियाज डेमोक्रेसी 1947 टू 2025' के विमोचन पर कहा कि भाजपा को 2014, 2019 और 2024 में हुए पिछले तीन आम चुनावों में डाले गए कुल मतों का केवल ''एक-तिहाई'' ही प्राप्त हुआ है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अय्यर का कहना था, ''दूसरे शब्दों में कहें तो लगभग दो-तिहाई भारतीय मतदाताओं ने भाजपा को कभी वोट नहीं दिया है। इसका अर्थ है कि कम से कम आधे हिंदुओं ने हिंदुत्व और हिंदू धर्म के बीच धर्म या जीवन शैली के रूप में तुलना किए जाने को लगातार अस्वीकार किया है।

'महागठबंधन में एक दल को सभी 'अच्छी' सीट और दूसरे को 'खराब' सीट नहीं मिल सकतीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 'महागठबंधन' के घटक दलों के मध्य सीट बंटवारे को लेकर जारी बातचीत के बीच बुधवार को कहा कि सीट बंटवारे में जीत की संभावना के लिहाज से ''अच्छी'' और ''खराब'' सीट का संतुलन होना चाहिए, क्योंकि ऐसा नहीं हो सकता कि किसी एक दल के हिस्से में सारी 'खराब' सीट आ जाएं और किसी दूसरे दल को सभी 'अच्छी' सीट मिल जाएं।

पार्टी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने संवाददाताओं से यह भी कहा कि महागठबंधन में नए दलों के आने पर मौजूदा सभी पार्टियों को अपने हिस्से की सीट उचित अनुपात में छोड़नी होंगी।

उनसे वर्ष 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों का हवाला देते हुए यह सवाल किया गया था कि क्या कांग्रेस इस बार सीट की संख्या के साथ जीत की संभावना वाली सीट लेने पर जोर देगी?

अल्लावरू ने कहा, ''हमारा शुरू से कहना रहा है कि गठबंधन में नए दल शामिल होंगे तो सभी दलों को अपने हिस्से (की सीट) से योगदान देना होगा, तभी नए लोगों को जगह मिलेगी। हर प्रदेश में 'अच्छी' सीट और 'खराब' सीट होती हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि किसी दल को सब अच्छी सीट मिलें और किसी दल को सभी खराब सीट।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सीट बंटवारे में ''अच्छी'' और ''खराब'' सीट का संतुलन होना चाहिए।

उनका यह भी कहना था, ''किसी गठबंधन को आगे बढ़ाने के लिए संतुलन जरूरी है। हम सीट बंटवारे में इस चीज का विशेष ध्यान रखने का प्रयास कर रहे हैं।''

अल्लावरू ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, ''कौन सी पार्टी कितनी सीट का त्याग कर रही है, उससे पहले यह जानना जरूरी है कि कितने नए दल गठबंधन में आ रहे हैं और उन्हें कितनी सीट दी जा रही हैं।

बहराइच में चार वर्षीय बच्ची को उठा ले गया जंगली जानवर

बहराइच (उप्र)/भाषा। जिले के परागपुरवा गांव में एक जंगली जानवर एक घर के आंगन से चार वर्षीय बच्ची को कथित तौर पर उठा ले गया और बुधवार सुबह उसका क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बच्ची का शव गांव से कुछ दूरी पर स्थित गन्ने के खेत से बरामद हुआ, जो बुरी तरह क्षत-विक्षत था। ग्रामीणों ने इसे भेड़िए का हमला बताया है।

प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) डॉ. राम सिंह यादव ने कहा, ''मंगलवार रात कैसरगंज थाना क्षेत्र के परागपुरवा गांव में रामजीत के झोपड़ीनुमा घर के आंगन में परिवार के तीन बच्चे भोजन कर रहे थे। इसी दौरान घर में घुसा अज्ञात जानवर उनकी चार वर्षीय बेटी ज्योति को उठा ले गया।'' उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही वन विभाग, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ड्रोन की मदद से खोज अभियान चलाकर बच्ची की तलाश शुरू की गई।

झांसी के अस्पताल में चिकित्सकों पर हमला करने के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झांसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के झांसी में इलाज और बिल जमा करने को लेकर हुए विवाद के बाद एक निजी अस्पताल में चिकित्सकों और कर्मचारियों पर हमला करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

झांसी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना मंगलवार को नवाबाद इलाके के एक नर्सिंग होम में हुई, जब एक मरीज के तीमारदारों ने चिकित्सकों और अस्पताल के कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर मारपीट की। पुलिस के अनुसार, चिरगांव इलाके का रहने वाला एक युवक अपनी मां के इलाज से असंतुष्ट होकर उन्हें छुट्टी दिलाते समय हंगामा करने लगा।

इसने बताया कि बिलों के भुगतान को लेकर हुई बहस के बाद, वह अपने साथियों के साथ लौटा और चिकित्सकों तथा कर्मचारियों पर हमला कर दिया।

पुलिस ने बताया कि डॉ. मंदीप माडिया की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मरीज के बेटे शिवदीप को उसके साथियों ऋतिक, दीपक और जयंत सिंह के साथ गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने कहा कि मामले की विस्तृत जांच जारी है।

प्रयागराज में बारहवीं कक्षा के छात्र की सहपाठी ने चाकू मारकर हत्या की

प्रयागराज/भाषा। यमुनानगर के करछना थाना क्षेत्र के लाला का पुरवा गांव स्थित इंदिरा गांधी स्मारक इंटर कॉलेज में बुधवार दोपहर 12वीं कक्षा के एक छात्र की उसके ही एक सहपाठी ने कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। करछना क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अरुण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि लाला का पुरवा स्थित इंदिरा गांधी स्मारक इंटर कॉलेज में 12वीं के छात्र अवनीश पांडेय (17) को उसी कक्षा के एक छात्र द्वारा चाकू मारने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि घायल छात्र को करछना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से उसे एसआरएन अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया और एसआरएन अस्पताल पहुंचने पर डाक्टरों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजन, कुछ अन्य छात्रों के भी इस घटना में शामिल होने की बात कर रहे हैं।

नोटिस स्वीकार करें, विपक्ष को सेंसर न करें: तृणमूल सांसद की नए उपराष्ट्रपति से अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओब्रायन ने बुधवार को कहा कि भारत के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन को विपक्षी दलों द्वारा दिए गए नोटिस स्वीकार करने चाहिए, न कि उन पर रोक लगानी चाहिए।

ओब्रायन ने एक लंबे ब्लॉगपोस्ट में कहा कि राधाकृष्णन, जिन्हें मंगलवार को राष्ट्रपति पद के लिए चुना गया था, को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ज्यादा विधेयक अध्ययन के लिए संसदीय समितियों को भेजे जाएं। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर सदस्यों का निलंबन नहीं होना चाहिए।

राज्यसभा सदस्य ने कहा, ''भारत के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन को शुभकामनाएं। नए उपराष्ट्रपति, जो राज्यसभा के सभापति भी होंगे, के लिए आठ सुझाव।'' तृणमूल नेता ने कहा कि विपक्षी सांसदों को केंद्र सरकार को जवाबदेह ठहराने का एक महत्वपूर्ण जरिया महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए नोटिस देना है। उन्होंने कहा, ''2009 से 2016 के बीच आठ वर्षों में, राज्यसभा में चर्चा के लिए 110 नोटिस स्वीकार किए गए। अगले आठ वर्षों में, 2017 से 2024 के बीच, यह संख्या घटकर मात्र 36 रह गई।'' ओब्रायन ने कहा कि राज्यसभा के नियम 267 के अनुसार, कोई भी सदस्य सभापति से उस दिन के लिए सूचीबद्ध कार्य स्थगित करने और उसके बजाय राष्ट्रीय महत्व के किसी अत्यावश्यक मुद्दे पर चर्चा कराने का अनुरोध कर सकता है। उन्होंने कहा, ''वेंकैया नायडू और जगदीप धनखड़ के कार्यकाल में, आठ वर्षों में, इस नियम के तहत एक भी चर्चा की अनुमति नहीं दी गई।'' तृणमूल कांग्रेस नेता ने कहा कि दिसंबर 2023 में 146 सांसदों को संसद से निलंबित किया गया था। उन्होंने कहा, ''यह एक संदिग्ध रिकॉर्ड है। संदर्भ के लिए, संप्रग-1 और संप्रग-2 के 10 वर्षों के दौरान, कुल 50 सांसदों को निलंबित किया गया था।''

भारत ने कोरिया को महिला एशिया कप सुपर चार मुकाबले में 4-2 से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ (चीन)/भाषा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को यहां एशिया कप के सुपर चार चरण के अपने पहले मैच में कोरिया को 4-2 से हराया। पूल बी में सात अंक के साथ शीर्ष पर रहे भारत के लिए वैष्णवी विठ्ठल फाल्के (दूसरे मिनट), संगीता कुमारी (33वें मिनट), लालरेमसियामी (40वें मिनट) और रुतुजा ददासो पिसल (59वें मिनट) ने गोल दागे।

कोरिया की ओर से दोनों गोल यूजिन किम (33वें और 53वें मिनट) ने किए।

भारत अपने अगले मैच में बृहस्पतिवार को चीन से भिड़ेगा।

सुविचार

यदि आप खुद पर विश्वास नहीं करेंगे, तो कोई और कैसे करेगा?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धर्मांतरण पर लगाम

राजस्थान विधानसभा ने धर्मांतरण विरोधी विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर बहुत जरूरी कदम उठाया है। इसके प्रावधान काफी सख्त हैं। पूरे देश को ऐसे कानून की जरूरत है, क्योंकि हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में धोखा, छल और प्रलोभन से लोगों का धर्मांतरण करवाया जा रहा है। बेशक भारत का संविधान धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है। अगर व्यक्ति की आस्था स्वेच्छा से किसी धर्म के साथ जुड़ती है और वह उसे अपनाना चाहता है तो इसकी अनुमति है, लेकिन कुछ लोगों और गिरोहों ने इस स्वतंत्रता का दुरुपयोग करते हुए धर्मांतरण को धंधा ही बना लिया है। अतीत में धर्मांतरण के गंभीर नतीजे सामने आ चुके हैं। देश में आज भी ऐसे गिरोह काम कर रहे हैं, जो अनाज, इलाज, शिक्षा, मकान, नौकरी, शादी का प्रलोभन देकर लोगों की आस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं। जरूरतमंद और भोले-भाले लोगों से कहा जाता है कि आप हमारी शरण में आएंगे तो रहमत बरसेगी और सारे कष्ट दूर हो जाएंगे! उनके दिलो-दिमाग में पूर्वजों के धर्म और देवी-देवताओं के प्रति घृणा भर दी जाती है। उन्हें यह कहकर डराया जाता है कि 'अगर आप होली, दीपावली, करवा चौथ, मकर संक्रांति आदि मनाएंगे तो जीवन में भयानक संकट आ सकता है ... हमारा रास्ता ही सच्चा है, इस पर चलेंगे तो निजात मिलेगी।' अगर 'उदारता' के नाम पर ऐसी गतिविधियों को लेकर उदासीनता बरतेंगे तो भविष्य में कई गंभीर समस्याएं पैदा होंगी। अब सोशल मीडिया पर कितनी ही बेटियां यह कहते हुए अपना दर्द बयान करती मिल जाएंगी कि हमसे किसी युवक ने पहचान छिपाकर घनिष्ठता बढ़ाई, उसके बाद शादी की। जब सच्चाई का पता चला तो पैरों तले जमीन खिसक गई!

ऐसे धोखेबाजों के होश अब ठिकाने आएंगे। धर्मांतरण के जरिए देश की एकता, अखंडता, समरसता और सुरक्षा को खतरे में डालने वालों के लिए यहां कोई जगह नहीं होनी चाहिए। अगर भारत की आजादी के तुरंत बाद ऐसा कानून बना दिया जाता तो आज इस मुद्दे पर लिखने-बोलने की जरूरत ही नहीं होती। हमारे पूर्वजों ने धर्मांतरण के कारण राष्ट्रांतरण होते देखा था। अब इस मामले पर यह कहकर आंखें मूंदने से काम नहीं चलेगा कि सबको अपनी मर्जी से धर्म अपनाने और उसका पालन करने की स्वतंत्रता है। यह भी देखना होगा कि इस स्वतंत्रता का कहीं हमारे देश के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल तो नहीं हो रहा है? अगर ऐसा हो रहा है तो इस पर चुप्पी साधना खतरनाक हो सकता है। कई लोग धर्मांतरण के बारे में कुतर्क देते हैं- 'आज हर कोई पढ़ा-लिखा है, ऐसे में उनको प्रलोभन देकर, डराकर धर्म कैसे बदलवाया जा सकता है?' क्या उन्हें नहीं मालूम कि देश में उच्च शिक्षित लोगों से साइबर ठगी भी हो रही है। डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, शिक्षक, वैज्ञानिक ही नहीं, जज तक इसके शिकार हो चुके हैं। जब उन्हें प्रलोभन देकर और डराकर लूटा जा सकता है, तो आम नागरिक को कोई गिरोह धर्मांतरण का शिकार क्यों नहीं बना सकता? कई मामले ऐसे आए हैं, जिनमें पीड़ितों ने कहा कि उन पर आपत्तिजनक वीडियो-तस्वीरों के जरिए धर्मांतरण का दबाव डाला गया था। हाल के वर्षों में धर्मांतरण का एक और तरीका सामने आया है, जिस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। इसके तहत संबंधित व्यक्ति का न तो नाम बदला जाता है, न उसकी पहचान बदली जाती है, न दस्तावेज बदले जाते हैं, न भाषा बदली जाती है, न पहनावा बदला जाता है और न ही हुलिया बदला जाता है। उसे यह कहकर तैयार किया जाता है कि 'हम धर्म परिवर्तन नहीं कराते, बल्कि मन / हृदय परिवर्तन कराते हैं।' यह स्थिति देश की एकता, अखंडता, समरसता और सुरक्षा के लिए ज्यादा खतरनाक हो सकती है।

ट्वीटर टॉक

भारत की विकास यात्रा में यहाँ के उद्योगों का बहुत बड़ा योगदान रहा है।मुझे खुशी है कि भारत अब दुनिया के शीर्ष एल्युमिनियम उत्पादकों में से एक बन गया है, और इसका निरंतर विस्तार आज देश की औद्योगिक आत्मनिर्भरता का एक उदाहरण है।

-ओम बिरला

जन सेवा समिति जैसलमेर के अध्यक्ष, सेवा भारती समिति के प्रांत संरक्षक और कन्हैया गौशाला के अध्यक्ष डॉ. दाऊलाल शर्मा जी का गोलोक गमन मन में पीड़ा उत्पन्न कर रहा है। आजीवन समाज की भलाई में समर्पित रहे दाऊलाल जी के योगदान प्रेरणा प्रदान करते रहेंगे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

नेपाल में बिगड़े हुए हालातों के बीच, बड़ी संख्या में राजस्थान के यात्री काठमांडू में फंसे हुए हैं। प्रदेश सरकार को प्रोएक्टिव रुख अपनाते हुए वहां फंसे यात्रियों को सुरक्षित राजस्थान लाने का इंतजाम करना चाहिए एवं यहां उनके परिजनों को आश्वस्त करना चाहिए।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

धर्म और रक्षा

मध्यकालीन संतों को भजन-कीर्तन की अत्यधिक लगन थी। उस समय देश विदेशी आक्रांताओं के अधीन होता जा रहा था। गुरु गोविंद सिंह जी ने गहराई से विचार किया और परिस्थिति के अनुरूप नीति बनाई। उन्होंने सज्जनों को सत्संग, दुखियों की सेवा तथा आततायियों से संघर्ष का मार्ग अपनाने की शिक्षा दी। उन्होंने अपने शिष्यों को 'एक हाथ में माला, एक हाथ में भाला' का सिद्धांत समझाया। इसी नीति के आधार पर एक संगठित सेना तैयार की, जिसने आक्रमणकारियों का डटकर सामना किया। यह संघर्ष आसान नहीं था। इसमें उनके पुत्र, शिष्य और कई सहयोगी बलिदान हुए। लेकिन इसका परिणाम यह हुआ कि आक्रमणकारियों को अपनी नीति बदलनी पड़ी और पीछे हटना पड़ा। गुरु गोविंद सिंह जी ने जो परंपरा स्थापित की, वह नीतिसम्मत थी और अनेक लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बनी। उन्होंने लोगों को उनके कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया और धर्म को समयानुकूल रूप में प्रस्तुत किया।

सामयिक

अनिश्चित भविष्य एवं आभासी दुनिया से दुःखी युवापीढ़ी

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

पूरी दुनिया की सरकारें युवा के मुद्दों, उनमें बढ़ रहे तनाव एवं दुःखों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करे। न केवल सरकारें बल्कि आम-जनजीवन में भी युवकों की स्थिति, उनके सपने, उनके जीवन लक्ष्य आदि पर चर्चाएं हो, अन्यथा युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन के स्थान पर हिंसा-आतंक-विध्वंस की स्थितियां विकराल होती जायेगी, जैसाकि नेपाल में देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ दशकों तक यह मान्यता रही कि जीवन की मध्य आयु वर्ग यानी 40 से 50 वर्ष के लोग ही सबसे अधिक अवसादग्रस्त, तनावग्रस्त, क्रोधित और दुखी होते हैं। युवावस्था और बुजुर्गावस्था अपेक्षाकृत अधिक प्रसन्न और संतुलित मानी जाती थी। लेकिन हाल के वैश्विक अध्ययनों ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य पर नजर रखने वाली ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट सहित अनेक शोध बताते हैं कि दुख और तनाव की शुरुआत अब युवावस्था से ही होने लगी है। सबसे खुशी, मस्त एवं तनावमुक्त जीवन जीने वाली यह पीढ़ी अब सबसे अधिक तनावग्रस्त हो गयी है, जो गहन चिन्ता का सबबे है। अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, अफ्रीका और मध्यपूर्व जैसे 44 देशों के आंकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से आज की युवा पीढ़ी बुजुर्गों से भी अधिक कमजोर है। युवाओं की इस स्थिति के पीछे कई कारण बताए जाते हैं, जैसे रोजगार की असुरक्षा, भविष्य की अनिश्चितता, कार्यस्थलों का दबाव, प्रतिस्पर्धा का वातावरण और सबसे बड़ा कारक सोशल मीडिया का बढ़ता हस्तक्षेप। आभासी दुनिया युवाओं को बड़े सपने तो दिखाती है, लेकिन जीवन की कठोर सच्चाइयों से उनका सामना नहीं कराती। यही कारण है कि वास्तविक चुनौतियों से टकराते ही वे टूटने लगते हैं।

आज के युवा सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय रहते हैं। देर रात तक स्क्रीन से चिपके रहना उनकी नींद और दिनचर्या दोनों को प्रभावित कर रहा है। आभासी मित्रता और लाइक्स की दुनिया में उन्हें वास्तविक संबंधों की गर्मजोशी नहीं मिल पाती। संवाद की जगह इमोजी ले लेते हैं और भावनाओं का स्थान कृत्रिम पोस्टों परिणामस्वरूप वे वास्तविक सामाजिक जीवन से कटते जा रहे हैं। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि जब इंसान अपने मित्रों, परिवार और समाज के साथ आमने-सामने संवाद करता है, तो तनाव कम होता है। कृतज्ञता का भाव मानसिक संतुलन को बनाए रखता है। परंतु डिजिटल आभामंडल में जीने वाला युवा जब अपनी तुलना लगातार दूसरों की सफलता और भौतिक समृद्धि से करता है, तो उसमें हीनभावना और निराशा जन्म लेती है। यही निराशा कई बार आक्रोश और हिंसा का रूप ले लेती है।

सवाल यह है कि मानसिक तनाव का सीधा रिश्ता हिंसा से कैसे जुड़ रहा है। दरअसल, जब कोई व्यक्ति भीतर से असुरक्षित, असंतुष्ट और हताश होता है तो उसकी ऊर्जा रचनात्मकता की बजाय विध्वंसक रास्ते पकड़ लेती है। जिन युवाओं को उचित दिशा, रोजगार और सामाजिक मान्यता नहीं मिल पाती, वे गुस्से में समाज के खिलाफ खड़े हो जाते हैं। यही गुस्सा कई बार सामाजिक अशांति, अपराध और दंगों के रूप में सामने आता है। यह वैश्विक ट्रेंड केवल पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं है। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और विशेष रूप से नेपाल में हालिया परिदृश्य इसका उदाहरण है। नेपाल में पिछले महीनों हुए दंगे, हाल की युवाक्रांति और युवा आंदोलनों ने इस सच्चाई को सामने ला दिया कि निराशा से भरे युवाओं की ऊर्जा किस तरह हिंसा और अराजकता का रूप ले सकती है। नेपाल का इतिहास ही युवा आंदोलनों से भरा रहा है। राजतंत्र से लोकतंत्र और फिर लोकतांत्रिक अस्थिरता के बीच युवा हमेशा निर्णायक शक्ति रहे हैं। हाल ही में नेपाल में हुए दंगों और विरोध प्रदर्शनों के केंद्र में भी युवा ही थे। नेपाल के युवा लंबे समय से बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे हैं। वहां की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा 30 वर्ष से कम आयु का है, लेकिन रोजगार और अवसरों की कमी उन्हें या तो प्रवासी मजदूरी की ओर धकेल रही है या फिर हिंसक आंदोलनों की ओर। सोशल मीडिया इस असंतोष को और हवा दे रहा है। एक तरफ वहां पर नई राजनीतिक चेतना के स्वर सुनाई देते हैं, दूसरी तरफ यह चेतना जब रचनात्मक दिशा नहीं पाती तो दंगे, हिंसा और अराजकता का रूप ले लेती है।

नेपाल के हालिया आंदोलन यह भी बताते हैं कि युवा सिर्फ रोजगार और आर्थिक अवसर ही नहीं चाहते, वे सामाजिक न्याय, ईमानदार एवं भ्रष्टाचारमुक्त शासन और राजनीतिक स्थिरता की भी मांग कर रहे हैं। लेकिन जब इन मांगों को अनसुना किया जाता है, तो वही आक्रोश सड़क पर हिंसा के रूप में फूट पड़ता है। यदि हम नेपाल की घटनाओं को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह सिर्फ एक देश की समस्या नहीं है।

यह उस वैश्विक संकट की झलक है जिसमें पूरी दुनिया की युवा पीढ़ी फंसी हुई है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों में भी 2016 के बाद से चालीस वर्ष से कम उम्र के युवाओं में अवसाद और चिंता बढ़ी है। एशिया और अफ्रीका जैसे विकासशील देशों में रोजगार की असुरक्षा ने युवाओं को और हताश किया है। तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रयोग ने श्रम आधारित रोजगार के अवसर सीमित कर दिए हैं। नेपाल उसी वैश्विक प्रवृत्ति का एक प्रतिरूप है जहां निराशा और तनाव ने हिंसा का रूप ले लिया है।

युवाओं के दुख, तनाव और हिंसा की प्रवृत्ति को केवल नीतियों या आर्थिक सुधारों से नहीं रोका जा सकता। इसके लिए बहुस्तरीय प्रयासों की जरूरत है। युवाओं को आभासी जीवन से बाहर लाने और वास्तविक संवाद व संबंधों की ओर प्रेरित करना होगा। सरकारों को युवाओं के लिए स्थायी और सुरक्षित रोजगार के अवसर सृजित करने होंगे। शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित न रखकर जीवन कौशल और मानसिक स्वास्थ्य पर भी केंद्रित करना जरूरी है। अवसाद और चिंता को कलंक की बजाय सामान्य समस्या मानकर परामर्श सेवाएं उपलब्ध करानी होंगी। युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी में लगाना होगा ताकि उनकी निराशा हिंसा की ओर न मुड़े। युवा क्रांति का प्रतीक है, ऊर्जा का स्रोत है, इस क्रांति एवं ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक एवं सृजनात्मक हो, इसके लिये व्यापक प्रयत्न करने होंगे।

युवा पीढ़ी किसी भी समाज का भविष्य होती है। लेकिन जब यही पीढ़ी दुख, तनाव और हिंसा के दुष्चक्र में फंस जाती है तो समाज का भविष्य ही संकटग्रस्त हो जाता है। युवा सपनों को आकार देने का अर्थ है सम्पूर्ण मानव जाति के उन्नत भविष्य का निर्माण।

यह सच है कि हर दिन के साथ जीवन का एक नया लिफाफा खुलता है, नए अस्तित्व के साथ, नए अर्थ की शुरूआत के साथ, नयी जीवन दिशाओं के साथ। हर नई आंख देखती है इस संसार को अपनी ताजगी भरी नजरों से। इनमें जो सपने उगते हैं इन्हीं में नये समाज की, नयी आदमी की नींव रखी जाती है। नेपाल के हालिया दंगे इस खतरे की चेतावनी हैं। यह सिर्फ नेपाल का प्रश्न नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का प्रश्न है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम युवाओं को केवल सपने ही न दिखाएँ, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जूझने का संबल दें। असीमित आकांक्षाओं और कठोर यथार्थ के बीच संतुलन स्थापित करना ही मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक शांति की कुंजी है। यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए, तो युवा आक्रोश न केवल दंगों और हिंसा का कारण बनेगा बल्कि पूरी सभ्यता की स्थिरता को चुनौती देगा एवं महाविनाश का कारण बनेगा।

नजरिया

अभी हाल में ही हमारी सरकार के मुखिया प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर से 'स्वदेशी अपनाओ' का आह्वान किया है। यह आह्वान केवल नारा नहीं है, अपितु हमारी ताकत बढ़ाने का एक प्रभावशाली तरीका भी है। यदि हम स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग प्रारंभ करते हैं तो स्वाभाविक रूप से हमारी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। स्वदेशी को हम केवल वस्तुओं के उपयोग तक ही सीमित न रखें हमें संपूर्ण जीवन पद्धति के रूप में उसका उपयोग करना चाहिए। जिस प्रकार महात्मा गांधी ने हमें स्वदेशी जीवन का चिंतन दिया है, हमें उसी प्रकार स्वदेशी चिंतन पद्धति के आधार पर अपने जीवन को जीने के लिए संकल्पित होना चाहिए। यह देश को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण हथियार है। जिस प्रकार महात्मा गांधी ने स्वदेशी, स्वावलंबन, सहकार और अहिंसा के माध्यम से फिरंगी ताकत को भारत से खदेड़ने में सफलता हासिल की, उसी प्रकार आधुनिक सामाज्यवादी शक्तियों को धूल चटाने के लिए हमें स्वदेशी चिंतन को अपनाना पड़ेगा।

आजादी से पहले से चल रहा है स्वदेशी आंदोलन

ज्ञानचंद जैन

मोबाइल : 9868124800

जब से ट्रंप टैरिफ का मुद्दा सामने आया है, तब से देशी उत्पाद अपनाने की मांग और जोर पकड़ने लगी है। अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ के मद्देनजर आत्मनिर्भरता को लेकर आग्रह और बढ़ गया है। प्रधानमंत्री मोदी भी लगातार स्वदेशी की बात करते हुए 'मेक इन इंडिया' पर जोर दे रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं है, बल्कि उसकी आर्थिक और रणनीतिक मजबूती का आधार भी है। स्वदेशी अपनाने की बात आज से नहीं बल्कि देश की आजादी से पहले से उठती रही है। अंग्रेजी राज में यह मांग बहुत तेजी से उठी थी। उस समय ऐसे बहुत ही कम लोग थे जो विदेशी वस्तुओं का उपयोग करते थे। उनमें यह आदत अंग्रेजों का शाही रहन-सहन देख कर आई थी। स्वदेशी मात्र एक नारा नहीं बल्कि यह जीवन जीने का संपूर्ण तरीका है।

आधुनिक भारत में इस चिंतन को सबसे पहले प्रचारित करने का श्रेय महात्मा गांधी को जाता है, लेकिन इस चिंतन के असली प्रणेता सरना आदिवासियों के धर्मगुरु जतरा टाना भगत हैं। जतरा टाना भगत ने इस चिंतन को न केवल उद्घाटित और परिभाषित किया, अपितु अपने आंदोलन का हथियार भी बनाया। महात्मा गांधी को इसे प्रचारित करने का श्रेय जाता है। इस चिंतन की गहराइयों में झाँक कर देखने की कोशिश करेंगे तो इसकी मूल जड़ें वास्तव में इसके जीवन्त प्रणेता सरना आदिवासी समाज के आध्यात्मिक धर्मगुरु जतरा टाना भगत ही हैं। यह विडम्बना ही है कि भगत के जीवन मूल्यों व संघर्षों को इतिहास में सीमित स्थान मिला। इस अनदेखी के चलते उनके अभूतपूर्व अनमोल विचारों से दुनिया परिचित होने से वंचित रह गई। जतरा भगत ने महात्मा गांधी के असहयोग व स्वदेशी आंदोलन से कई वर्षों पूर्व स्वदेशी, सहकार व स्वावलंबन तथा अहिंसा पर आधारित जीवन जीने की कला विकसित की और अपने समाज के लोगों को प्रबोधित किया। यही प्रबोधन आगे चलकर एक व्यापक आंदोलन के रूप में परिवर्तित हो गया और उस जमाने के शासक फिरंगियों को ऐसा लगने लगा कि यह आंदोलन यदि राष्ट्रीय फलक पर पहुंच गया, तो उन्हें जल्दी देश छोड़ना पड़ सकता है।

हालांकि जतरा टाना भगत के उस आंदोलन को फिरंगियों ने अपनी ताकत के बल पर कुचल दिया लेकिन उस आंदोलन का प्रभाव आज भी देखने को मिल जाता है। गांधीजी जतरा द्वारा किए गए सफल प्रयोग से बेहद प्रभावित थे और उन्हें ऐसा लगा कि स्वतंत्रता समर में यदि इन हथियारों का उपयोग किया जाए, तो बहुत कम शक्ति खर्च कर अंग्रेजों को भारत से भागने के लिए मजबूर किया जा सकता है। गांधी ने इसका प्रयोग किया और उन्हें सफलता भी मिली। महात्मा गांधी ने सबसे पहले अंग्रेजी साम्राज्यवाद के खिलाफ अहिंसक आंदोलन प्रारंभ किया। इसके बाद स्वदेशी, सहकार और स्वावलंबन को हथियार के रूप में प्रयुक्त करने की भरपूर कोशिश की। गांधी के प्रयोग सफल होते गए और अंततोगत्वा दुनिया की सबसे बड़ी साम्राज्यवादी ताकत फिरंगियों को न केवल भारत छोड़कर जाना पड़ा, अपितु वह अपनी मूलभूमि के कुछ खास द्वीपों तक सिमट कर रह गए और आज, जो तब ग्रेट ब्रिटेन कहलाता था, वह महज यूनाइटेड किंगडम बनकर रह गया है।

आधुनिक भारत में गांधी के बाद स्वदेशी धारा को सबसे मजबूत संबल प्रदान करने की जिम्मेदारी विनोबा भावे, डॉ राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण आदि ने निभाई। इसके बाद इस आंदोलन को और ज्यादा मजबूती प्रदान करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चिंतकों ने उठाया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक, माधवराव सदाशिव गोलवलकर ने अपने भाषणों और व्याख्यानों में कई बार स्वदेशी की चर्चा की, साथ ही अपने स्वयंसेवकों को उन्होंने आह्वान किया कि यथाशक्ति, क्षमता के अनुसार वे स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें और समाज में इस बात की चर्चा करें कि स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और प्रयोग से ही हमारा देश समृद्ध बनेगा। माधवराव सदाशिव गोलवलकर के बाद इस चिंतन को आगे बढ़ाने में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की बड़ी भूमिका मानी जाती है। पंडित उपाध्याय ने न केवल इस चिंतन को आगे बढ़ाया अपितु इस चिंतन में अंत्योदय की परिकल्पना को भी जोड़ दिया और उन्होंने कहा कि स्वदेशी, स्वावलंबन तभी सफल हो सकता है, जब समाज की अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति को विकास का लाभ पहुंचाया जा सके। इस प्रकार स्वदेशी आंदोलन क्रमवार तरीके से विभिन्न स्वदेशी विचारधाराओं के चिंतकों के माध्यम से आगे बढ़ता रहा और आज कई मायने में यह चिंतन हमारे देश को समृद्ध और सशक्त बना रहा है। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भारत ने ऐसी कई स्वदेशी मशीनें विकसित की है जिसके माध्यम से हम अंतरिक्ष में अपनी पकड़ बेहद मजबूत बना सके हैं। यही नहीं, हमारे वैज्ञानिकों ने स्वदेशी पद्धति के आधार पर ऐसे कई हथियारों के आविष्कार किए हैं, जो सस्ते हैं और उनकी मारक क्षमता इतनी प्रभावशाली है कि दुनिया उनके सामने नतमस्तक हो रही है।

अभी हाल में ही हमारी सरकार के मुखिया प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर से 'स्वदेशी अपनाओ' का आह्वान किया है। यह आह्वान केवल नारा नहीं है, अपितु हमारी ताकत बढ़ाने का एक प्रभावशाली तरीका भी है। यदि हम स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग प्रारंभ करते हैं तो स्वाभाविक रूप से हमारी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। स्वदेशी को हम केवल वस्तुओं के उपयोग तक ही सीमित न रखें हमें संपूर्ण जीवन पद्धति के रूप में उसका उपयोग करना चाहिए। जिस प्रकार महात्मा गांधी ने हमें स्वदेशी जीवन का चिंतन दिया है, हमें उसी प्रकार स्वदेशी चिंतन पद्धति के आधार पर अपने जीवन को जीने के लिए संकल्पित होना चाहिए। यह देश को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण हथियार है। जिस प्रकार महात्मा गांधी ने स्वदेशी, स्वावलंबन, सहकार और अहिंसा के माध्यम से फिरंगी ताकत को भारत से खदेड़ने में सफलता हासिल की, उसी प्रकार आधुनिक सामाज्यवादी शक्तियों को धूल चटाने के लिए हमें स्वदेशी चिंतन को अपनाना पड़ेगा। स्वदेशी चिंतन के आधार पर विकसित मशीनरियों का आविष्कार कर हम उन्हें सबक सिखा सकते हैं।

स्वदेशी से स्वावलंबन आयेगा, स्वावलंबन सहकारी मनोवृत्ति को मजबूत करेगा और इससे हमारे देश में एक मजबूत आर्थिक ढांचे का निर्माण होगा, जिससे हम दुनिया के सामने कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो पाएंगे। प्रधानमंत्री द्वारा किया गया स्वदेशी का आह्वान समय की मांग है और हम स्वदेशी वस्तु का उपयोग या स्वदेशी चीजों का उपयोग समयानुकूल ढाल कर करें, साथ ही यदि कभी मजबूरी में विदेशी वस्तुओं का उपयोग करना भी पड़े, तो उसे स्वदेशानुकूल बनाकर करें। आज का हमारा युगधर्म भी यही होना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अनावरण

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा बुधवार को नई दिल्ली में संसद भवन और रकाबगंज गुरुद्वारा के पास पार्क में भारत रत्न और स्वतंत्रता सेनानी पंडित गोविंद बल्लभ पंत की 138वीं जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा का अनावरण करते हुए।

छत्तीसगढ़ में तीन वर्षों में बाघों की संख्या 17 से बढ़कर 35 हुई

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या पिछले तीन वर्षों में दोगुनी हो गई है। वर्ष 2022 में जहाँ बाघों की संख्या 17 थी, वहीं अप्रैल 2025 में किए गए सर्वेक्षण में यह बढ़कर 35 हो गई। यह जानकारी मंगलवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में सम्पन्न छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव कल्याण बोर्ड की 15वीं बैठक में दी गई। मुख्यमंत्री साय ने बाघों की संख्या में हुई इस उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, छत्तीसगढ़ में वन्य प्राणियों का संरक्षण और संवर्धन हमारी प्राथमिकता है। हमारा राज्य वन संपदा और वन्यजीवों की दृष्टि से समृद्ध है। इन्हें संरक्षित और विकसित करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बाघों की संख्या 17 से बढ़कर 35 होना इस बात का प्रमाण है कि राज्य में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में ठोस और संतोषजनक प्रयास हुए हैं।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अब अन्य वन्यजीवों के संरक्षण के लिए भी सुनियोजित प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्र ऐसे हैं जिन्हें वन्यजीव संरक्षण के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। जशपुर ज़िले के नीमगांव में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी आते हैं। इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए आवश्यक कार्य किए जाने चाहिए। इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे।

बैठक में उपस्थित राज्य के वन मंत्री एवं बोर्ड के उपाध्यक्ष केदार कश्यप ने बताया कि बाघों के साथ-साथ अन्य वन्य प्राणियों के संरक्षण एवं उनके आवास क्षेत्रों में सुधार के प्रयास भी जारी हैं, जिनके बेहतर परिणाम शीघ्र सामने आएंगे। बोर्ड के सदस्य सचिव एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पांडेय ने विभागीय उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि अचानकमार टाइगर रिजर्व में राज्य में सबसे अधिक बाघ हैं।

पांडेय ने बताया कि उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व और गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व में मध्यप्रदेश से बाघों के स्थानांतरण (ट्रांसलोकेशन) के लिए राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) से अनुमति मिल चुकी है। यह प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि राजकीय पशु वन भैंसा की संख्या बढ़ाने के लिए असम से लाए गए वनभैंसों के प्रजनन में वृद्धि देखी गई है। उन्होंने बताया कि राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना के संरक्षण हेतु मैना मित्र नामक एक समूह गठित किया गया है, जो उनके रहवास की निगरानी करता है। पांडेय के अनुसार, टाइगर रिजर्व एवं कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नई सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और वन्यजीव संरक्षण को भी सहयोग मिलेगा।

अधिकारियों ने बताया कि बैठक में गश्ती मार्ग निर्माण, संरक्षित क्षेत्रों के युक्तियुक्तकरण, और निम्नलिखित कार्यों को मंज़ूरी दी गई। उन्होंने बताया कि उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व (गरियाबंद) में धवलपुर से कुकरार तक सड़क निर्माण, मिशन अमृत योजना के अंतर्गत पाइपलाइन विस्तार कार्य, कवर्धा वनमंडल में इंटरनेट सुविधा हेतु ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने की अनुमति भी दी गई। उनके अनुसार, इन कार्यों से वन क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को मोबाइल व इंटरनेट कनेक्टिविटी मिलेगी, सरकारी योजनाओं का डिजिटल लाभ मिलेगा, और सूचना संप्रेषण में सुविधा होगी। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में बोर्ड के सदस्यों ने वन्यजीव संरक्षण को लेकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

चीन ने नेपाल के सभी वर्गों से स्थिरता बहाल करने का आग्रह किया

बीजिंग/भाषा। चीन ने बुधवार को नेपाल के सभी वर्गों से घरेलू मुद्दों को उचित तरीके से संभालने और सामाजिक व्यवस्था एवं स्थिरता बहाल करने का आग्रह किया। नेपाल में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के कारण प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां एक प्रेस वार्ता में नेपाल के हालात पर पहली बार टिप्पणी करते हुए कहा, ''चीन और नेपाल पारंपरिक रूप से मित्रवत पड़ोसी हैं।'' उन्होंने एक सवाल पर कहा, हमें उम्मीद है कि नेपाल के सभी वर्ग घरेलू मुद्दों को उचित ढंग से संभालेंगे, सामाजिक व्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता को यथाशीघ्र बहाल करेंगे। हालांकि, लिन ने ओली के इस्तीफे पर कोई टिप्पणी नहीं की, जिन्हें चीन समर्थक नेता माना जाता है। ओली ने चीन के साथ नेपाल के रणनीतिक संबंधों को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ओली हाल में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन और द्वितीय विश्व युद्ध में जापान पर विजय की याद में तीन सितंबर को आयोजित सैन्य परेड में हिस्सा लेने के लिए चीन आए थे। ओली ने नेपाल में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार को इस्तीफा दे दिया।

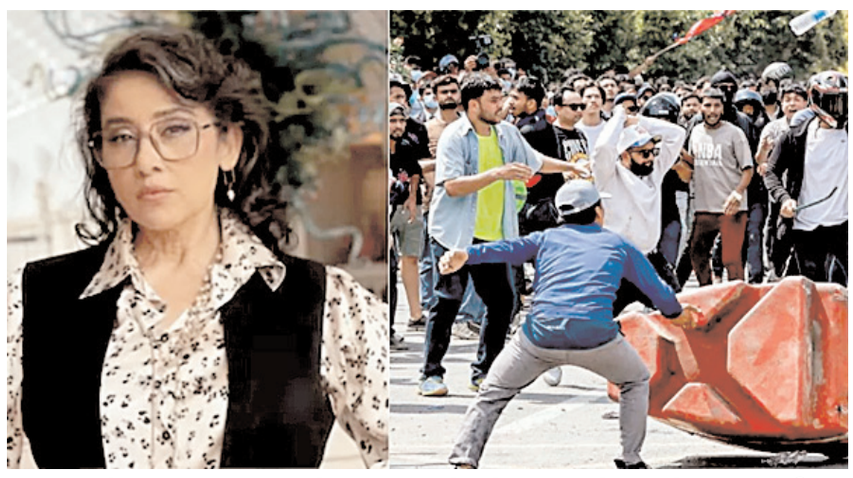

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने नेपाल में विरोध प्रदर्शन पर जताई चिंता, कहा- देश के लिए 'काला दिन'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने नेपाल में हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। इंस्टाग्राम पर उन्होंने सरकार के हालिया कदम की निंदा करते हुए इसे देश के लिए 'काला दिन' बताया। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री बीपी कोइराला मनीषा के दादा थे। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे 20 से ज़्यादा युवाओं की जान लेने वाले इस हिंसक संघर्ष के खिलाफ मनीषा ने खून से सना जूता और एक नोट साझा किया। अनुवादित कैप्शन में उन्होंने लिखा, आज नेपाल के लिए एक काला दिन है जब लोगों की आवाज़ और न्याय की मांग का जवाब गोलियों से दिया जाता है। संसद के पास प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों की गोलीबारी में सोमवार को कम से कम 20 लोग मारे गए और 250 से ज़्यादा घायल हुए।

विरोध प्रदर्शन केपी शर्मा ओली सरकार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुए थे। प्रदर्शन तब और तेज़ हुए जब छात्र संसद परिसर तक पहुंच गए, जिसके बाद पुलिस ने लाठियां, आंसू गैस और रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया। राजधानी सहित कई शहरों में कर्फ्यू लगाया गया और सेना तैनात की गई। बढ़ते दबाव के बीच, गृह मंत्री रमेश लेखक ने इस्तीफा दे दिया। मनीषा ने इस प्रदर्शन के कुछ घंटे बाद अपने दादा बी.पी. कोइराला को उनकी जयंती पर याद किया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर उन्हें नेपाल के पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री और लोकतंत्र के प्रणेता के रूप में श्रद्धांजलि दी और युवाओं को भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा दी। बी.पी. कोइराला 1959-60 में नेपाल के प्रधानमंत्री रहे और नेपाली कांग्रेस के प्रमुख थे। वे मनीषा और सिद्धार्थ कोइराला के दादा, पूर्व प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला के बड़े भाई और मातृका प्रसाद कोइराला के छोटे भाई थे।

करिश्मा कपूर के बच्चों ने पिता की प्रॉपर्टी के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर के बच्चों ने अपने पिता संजय कपूर की संपत्ति में हिस्सेदारी के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। इसमें उन्होंने सौतेली मां प्रिया कपूर पर वसीयत बदलने का आरोप लगाया है। संजय कपूर और करिश्मा कपूर के बच्चों (समायरा कपूर और कियान कपूर) ने इस याचिका में खुद को संजय कपूर का कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते हर संपत्ति में पांचवां हिस्सा देने की मांग की है। बता दें कि संजय कपूर अपने पीछे करीब 30 हजार करोड़ रुपए की संपत्ति छोड़ गए हैं। इस याचिका में कहा गया है कि उनकी सौतेली मां प्रिया ने संजय की वसीयत में जालसाजी की है। वादी पक्ष का कहना है कि उनके पिता की वसीयत कानूनी और वैध दस्तावेज नहीं है, बल्कि जाली है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि यही वजह है कि उनको वसीयत की मूल प्रति अभी तक दिखाई नहीं गई है और न ही उसकी कॉपी उन्हें दी गई है।

इस मामले में वादी पक्ष ने प्रिया कपूर पर आरोप लगाया है कि उन्होंने शुरुआत में किसी वसीयत के अस्तित्व से इनकार किया और दावा किया कि संजय कपूर की सारी संपत्ति आर के फैमिली ट्रस्ट के अधीन है। हालांकि, बाद में उन्होंने 21 मार्च 2025 का एक दस्तावेज पेश किया, जिसे उन्होंने वसीयत बताया, जिससे जालसाजी और हेरफेर का संदेह पैदा हुआ। अभी याचिका दायर हुई है। केस की सुनवाई कब होगी, अभी इसका कोई अपडेट नहीं है।

12 जून, 2025 को लंदन में संजय कपूर की मृत्यु हो गई थी। कुछ दिन पहले खबर आई थी कि करिश्मा अपने पूर्व पति की संपत्ति में हिस्सेदारी के लिए कानूनी विकल्प तलाश रही हैं। अब यह साफ हो गया है कि करिश्मा अपने लिए नहीं बल्कि अपने बच्चों के लिए संजय कपूर की संपत्ति में हिस्सेदारी पाने के लिए जद्दोजहद कर रही हैं। करिश्मा और संजय कपूर की शादी 2003 में हुई थी और 2016 में उनका तलाक हो गया था। संजय कपूर ने तीन शादियां की थीं। संजय कपूर की पहली शादी 1996 में नंदिता महतानी से हुई थी, लेकिन 4 साल बाद ही दोनों ने अलग होने का फैसला कर लिया। दूसरी पत्नी करिश्मा से तलाक लेने के बाद संजय ने प्रिया सचदेव से शादी कर ली थी।

न्यूयॉर्क फ़ैशन वीक में माइकल कोर्स के ओपनिंग शो में शिरकत करेंगी संजना सांघी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री संजना सांघी न्यूयॉर्क फ़ैशन वीक में मशहूर अमेरिकी डिज़ाइनर माइकल कोर्स के ओपनिंग शो का हिस्सा बनने को तैयार हैं। हाई फ़ैशन की प्रतिष्ठित दुनिया का ध्यान अब न्यूयॉर्क फ़ैशन वीक पर केंद्रित है। संजना सांघी इस वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही हैं। वह माइकल कोर्स के ओपनिंग शो में अपने शानदार अंदाज़ में नज़र आने वाली हैं। उनकी मौजूदगी उस परंपरा को आगे बढ़ाएगी जिसे पहले प्रियंका चोपड़ा जोनस जैसी भारतीय सेलेब्रिटीज़ ने भी ब्रांड के साथ जोड़कर निभाया है। संजना ने इससे पहले फ़रवरी 2019 में माइकल कोर्स के शो में स्टाइलिश प्लेड आउटफ़िट पहनकर फ़्रंट रो में शिरकत की थी। हाल ही में, 2023 में, प्रियंका चोपड़ा ने भी एनवायएफडब्ल्यू में विक्टोरियाज सीक्रेट की एंबेसडर के रूप में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने रेड कार्पेट पर शिरकत की और ब्रांड की फ़िल्म द विक्टोरियाज सीक्रेट वर्ल्ड टूर पर बात की।इस सीज़न संजना एकमात्र भारतीय सेलेब्रिटी होंगी जो शो में शामिल होंगी। फ़ैशन शो में शामिल होने के उत्साह पर बात करते हुए संजना ने कहा, फ़ैशन हमेशा से मेरे लिए आत्म-अभिव्यक्ति का एक ख़ास ज़रिया रहा है। मेरी हमेशा से क्लासिक और सिंपल स्टाइल रही है, और न्यूयॉर्क फ़ैशन वीक ओपनिंग शो में माइकल कोर्स कॉउचर में सिर से पाँव तक सजे रहकर शिरकत करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

'जॉली एलएलबी 3' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अक्षय कुमार ने इस ट्रेलर को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म में एक बार फिर कोर्टरूम ड्रामा, सामाजिक मुद्दे, और हास्य का मेल देखने को मिलेगा। इस बार कहानी और भी गंभीर और संवेदनशील विषय को उठाती नजर आती है, जिसमें दो जॉली, अक्षय कुमार और अरशद वारसी, आमने-सामने हैं। ट्रेलर की शुरुआत एक गंभीर और भावनात्मक डायलॉग से होती है, मेरे दादा को परदादा से और मुझे पिता से जो विरासत में मिली, वही सौंपना चाहता था मैं अपने बेटे को।

इस वॉयसओवर के साथ दंगों, पुलिस के लाठीचार्ज और सामाजिक उथल-पुथल के दृश्य सामने आते हैं। इसी दौरान एक महिला 'स्वर्गीय राजाराम सोलंकी' की मूर्ति के पैरों से लिपटी दिखाई देती है। इसके बाद अक्षय कुमार की एंट्री होती है, जो स्कूटर चलाते नजर आते हैं। वह पैसों के बदले में अपने असिस्टेंट से कहते हैं, कोई जॉली बोले तो उसे मेरे पास ही लेकर आना। अक्षय कुमार के साथ हुमा कुरैशी भी नजर आई हैं, जिनकी शराब पीने की आदत से अक्षय परेशान दिखाई देते हैं। वहीं, अरशद वारसी एक बार फिर वकील के किरदार में हैं, जो खुद को बेहद बिजी बताते हैं, लेकिन असल में उनके पास कोई काम नहीं होता।

ट्रेलर में अक्षय और अरशद एक ही क्लाइंट को लेकर भिड़ते भी दिखते हैं। अरशद अक्षय को 'क्लाइंट चोर' तक कह देते हैं, जिसके बाद दोनों के बीच हाथापाई की नौबत आ जाती है। यह सीन दर्शकों को फिल्म के पहले भाग की याद दिलाता है। फिल्म की कहानी में एक जमीन विवाद को प्रमुख रूप से दर्शाया गया है, जिसमें खेतान साहब, जिनका किरदार गजराज राव निभा रहे हैं, एक प्रभावशाली भूमिका में दिखाई देते हैं। अक्षय कुमार खेतान साहब से मिलने के लिए किसी से गुजारिश करते हैं, जो कहता है कि उन्हें खुद मिलने में एक साल और नाम याद कराने में दो साल लगे। लेकिन, चौंकाने वाला मोड़ तब आता है, जब खेतान साहब खुद अक्षय से मिलने पहुंचते हैं। इस केस को लेकर अक्षय और अरशद एक बार फिर आमने-सामने आते हैं। कोर्टरूम में दोनों वकीलों के बीच की बहस, रणनीति और नोकझोंक कहानी को दिलचस्प मोड़ देती है। ट्रेलर में अमृता राव की झलक भी देखने को मिली है। ट्रेलर से साफ है कि 'जॉली एलएलबी 3' कॉमेडी के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर गंभीरता से सवाल उठाएगी। 'जॉली एलएलबी 3' 19 सितबंर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अमेरिकी बाजार में पहुंच के लिए 'बेताब' है भारत, नौकरियां भी छीन रहा : नवारो

वाशिंगटन/भाषा। व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा है कि अमेरिका को भारत के साथ 'अनुचित व्यापार' की ज़रूरत नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिकी बाजारों तक पहुंच बनाने के लिए 'बेताब' है।

पिछले कुछ सप्ताह में नवारो ने भारत के खिलाफ खासकर रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखने के लिए, कई आलोचनात्मक टिप्पणियां की हैं।

व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि भारत और अमेरिका व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रखे हुए हैं।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वह आने वाले हफ्तों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात करने के लिए उत्सुक हैं। ट्रंप ने कहा, ''मुझे पूरा यकीन है कि हमारे दोनों महान देशों के लिए एक सफल निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होगी।''

लखनऊ में पुलिस ने बुधवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया, जब वे एसआईआर और कथित मतदान धांधली के मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

माही विज का ट्रेडिशनल लुक, वीडियो में दिखाई अपनी सादगी

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई। मशहूर टीवी अभिनेत्री माही विज को 'लागी तुझसे लगन,' 'बालिका वधू,' 'अकेला,' 'कैसी लगी लगन,' और 'शुभ कदम' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में देखा गया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में अभिनेत्री अलग-अलग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कभी वह कैमरे की ओर देखकर अपनी मुस्कान बिखेरती हैं, तो कभी फूलों के साथ खेलते हुए आकर्षक अंदाज में पोज देती हैं। उनकी यह सहजता और खूबसूरती प्रशंसकों को खूब भा रही है। माही ने इस वीडियो में हल्के गुलाबी रंग का सूट पहना है, जो उनकी सादगी और शालीनता को और निखार रहा है। हल्के मेकअप के साथ उन्होंने बड़े-बड़े झुमके पहने हैं, जो उनके लुक को और आकर्षक बना रहे हैं। उनके बालों को हल्का कर्ल किया गया है और कानों के पीछे हल्के गुलाबी रंग का गुलाब सजाया गया है, जो उनके इस पारंपरिक लुक को और खास बना रहा है।

वीडियो के बैकग्राउंड में 'मौला मेरे मौला' गाना ऐड किया गया है। माही ने वीडियो के कैप्शन में सिर्फ एक गुलाबी फूल का इमोजी शेयर किया है, जो उनकी ड्रेस और बैकग्राउंड की खूबसूरती को बखूबी दर्शाता है। माही के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्हें टीवी शो 'लागी तुझसे लगन' में नकुशा के किरदार से बड़ी पहचान मिली। उन्होंने कई अन्य टीवी शो जैसे 'बालिका वधू' में भी काम किया। साल 2019 में बेटी तारा के जन्म के बाद से उन्होंने छोटे पर्दे से दूरी बना ली और तब से अपने परिवार को समय दे रही हैं। माही विज और जय भानुशाली ने साल 2011 में शादी की थी। इस कपल ने 2017 में दो बच्चों, राजवीर और खुशी, को फॉस्टर पैरेंट बनकर अपनाया था। वहीं, 2019 में आईवीएफ के जरिए अपनी बेटी तारा का स्वागत किया।

'एक था टाइगर' वॉशिंगटन डीसी के इंटरनेशनल स्पाई म्यूज़ियम में जगह पाने वाली इकलौती भारतीय फिल्म बनीं

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के सुपर स्टार सलमान खान की फिल्म 'एक था टाइगर' अमेरिका के वाशिंगटन, डी.सी. में स्थित इंटरनेशनल स्पाई म्यूज़ियम में शामिल होने वाली इकलौती भारतीय फिल्म बन गई है। सलमान खान की फैन फॉलोइंग सिर्फ देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक फैली हुई है। अपने अब तक के शानदार करियर में सलमान खान एक से बढ़कर एक फिल्में दे चुके हैं। वहीं उनकी ब्लॉकबस्टर स्पाई ड्रामा 'एक था टाइगर' एक ऐसी सुपरहिट फिल्म है, जिसने न सिर्फ़ भारत को उसका सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जासूस दिया है, बल्कि इस किरदार के साथ सुपरस्टार ने लाखों दिलों पर राज भी किया है।सलमान खान की यह फिल्म एक बहुत बड़ा मुकाम अपने नाम कर चुकी है। कबीर खान निर्देशित यह फिल्म अमेरिका के वाशिंगटन, डी.सी. में स्थित इंटरनेशनल स्पाई म्यूज़ियम में शामिल होने वाली इकलौती भारतीय फिल्म बन गई है।

अमेरिका के वाशिंगटन, डी.सी. में इंटरनेशनल स्पाई म्यूज़ियम में, मशहूर स्पाई फिल्म्स और सीरीज को दिखाने वाला एक खास सेक्शन है, जिसमें लगभग 25 मशहूर इंटरनेशनल फिल्में शामिल हैं। इन ग्लोबल फिल्मों में अब सलमान खान की 'एक था टाइगर' भी शामिल है, जो इस खास 'वॉल ऑफ फेम' में जगह बनाने वाली इकलौती हिंदी फिल्म है। कबीर खान ने कहा, मुझे इस बारे में कुछ पता नहीं था और मुझे इसके बारे में उन लोगों से पता चला जिन्होंने इसे वहाँ देखा था। उन्होंने मुझे ये लिखते हुए मैसेज किया कि, 'हमने 'एक था टाइगर' का पोस्टर देखा और यह सभी फिल्मों की दुनिया में इकलौती हिंदी फिल्म है।' मुझे बहुत खुशी हुई और सलमान और कैटरीना के चेहरों को उस दीवार पर देखकर बहुत अच्छा लगा!

कबीर खान ने कहा, कुछ फिल्में वक्त बीतने के साथ अपनी एक अलग दुनिया बना लेती हैं। एक था टाइगर ऐसी ही फिल्म है जिसकी पॉपुलरिटी सालों में और बढ़ी, खासकर क्योंकि यह बाद में यशराज के स्पाईवर्स का हिस्सा बन गई। इस यूनिवर्स की पहली फिल्म होने से इसे एक अलग ही मुकाम मिलता है।

आज तक मुझे इस फिल्म को लेकर ढेरों मैसेज आते हैं और लोग उस वक्त जो हमने किया, उसकी सराहना करते हैं। तब हम एक्शन के लिए वीएफएक्स पर इतने निर्भर नहीं थे। मुझे लगता है एक फिल्ममेकर और एक दर्शक होने के नाते, रॉ, रियल और ग्रिटी एक्शन का असर अलग ही होता है। वीएफएक्स पर ज़्यादा निर्भरता लोगों से कनेक्ट नहीं हो पाती है। कबीर खान ने कहा, यह पहली फिल्म थी जिसने स्पाई जॉनर को बड़े स्तर पर सामने लाया, जिसमें सलमान और कैटरीना जैसे सितारे थे। इसका भी बड़ा असर पड़ा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | गुरुवार | 11-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

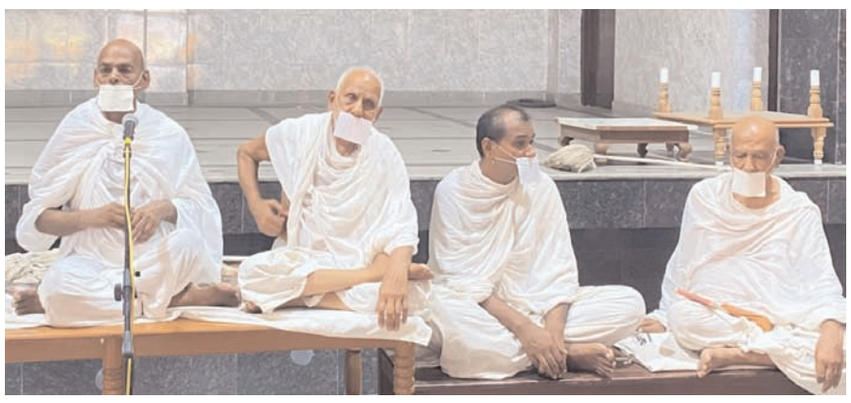

आत्मा के उत्थान का काम करती है सम्यक श्रद्धा : राष्ट्रसंत कमलेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट के जैन भवन में बुधवार को राष्ट्रसंत श्री कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि जो आत्मा अच्छे और बुरे कर्म करती है वह उसे आत्मा के साथ अगले जन्म में जाता है। उसके जाने के बाद उसके नाम पर किया गया दान, पुण्य, साधना से उस आत्मा का कोई संबंध नहीं रहता है। सब आत्माएं स्वतंत्र है। सबके कर्म अलग-अलग हैं परस्पर एक दूसरे के कर्मों को आपस में कोई नहीं बांट सकता। उन्होंने कहा कि जीवंत आत्माओं को अनदेखा अपमान तिरस्कार करते हुए उनके देवलोक होने पर उनके नाम पर चार धाम की यात्रा करना लाखों का दान देना अपनी और उस आत्मा के साथ क्रूर मजाक है आज्ञन दशा है। श्राद्ध पक्ष में हमारे नाम पर भी कोई कर रहा होगा तो क्या हमारा पेट भर रहा है, क्या सब आत्माओं को खीर ही पसंद थी, क्या 12 महीने में एक दिन ही खाते थे और जिसके परिवार में कोई नहीं बचता है उसका कौन करेगा। दिवंगत आत्माओं से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए वह क्या लेकर गए और मैं क्या लेकर जाऊंगा, जो अपने हाथों से करूंगा उसका मे परभव में मलिक बनूगा।

जैन संत ने कहा कि किसी व्यक्ति विशेष और जाति विशेष को दान देने पर ही लाभ मिलेगा, यह सोचना सरासर अन्याय है। जो जिस वस्तु से अभावग्रस्त है उसकी पूर्ति करना सबसे महान दान है। सम्यक श्रद्धा, आत्मा के उत्थान का काम करती है, अंध श्रद्धा आत्मा के विनाश का कारण बनती है व सच्चा आत्मज्ञान नहीं होता तब तक वह कितनी डिग्री प्राप्त करने अज्ञानी ही है। तपस्वी सक्षममुनिजी का 29वां उपवास गतिमान है। अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली शाखा के राजस्थान वरिष्ठ कार्यकर्ता दिलीप जैन, विनोद जैन, महिला शाखा राष्ट्रीय मंत्री सरोज सुराणा ने विचार व्यक्त किए। घनश्याम मुनिजी व कौशल मुनिजी ने सभा को संबोधित किया अक्षत मुनि जी ने मंगलाचरण किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संतदर्शन

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत ने अपनी टीम के साथ बेंगलूरु विजयनगर में विराजित साध्वीश्री संयमलताजी, आरआर नगर में विराजित साध्वी पुण्ययशाजी, यशवंतपुर में विराजित साध्वी सौम्यायशाजी और गांधीनगर में विराजित डॉ पुलकित कुमार जी के दर्शन कर क्षमायाचना की। मांडोत ने सभी संतों को टीपीएफ के राष्ट्रीय अधिवेशन के साथ टीपीएफ के गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उनके साथ फोरम के साउथ जोन के अध्यक्ष विक्रम कोठारी,मंत्री भारत भंसाली और बेंगलूरु सेंट्रल के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा मौजूद थे।

आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी मंडल की मंत्री पिंकी इसरानी के चामराजपेट स्थित निवास स्थान पर हुई।

पिंकी इसरानी ने सभी का स्वागत किया। संगोष्ठी में क्षमापना दिवस व न्यूमेरोलॉजी (विशेषकर नंबर 9) पर चर्चा की गई। सभी सदस्याओं ने एक दूसरे से क्षमायाचना की। संतोष रायसोनी ने सभी सदस्याओं को ध्यान करवाया। बैठक में मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। मंजू रायसोनी ने सभी को धन्यवाद दिया।

कष्टों से घबराना नहीं चाहिए : डॉ समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. समकित मुनिजी ने बुधवार को प्रवचन के दौरान कहा कि मनुष्य प्रतिदिन एक ऐसी मनोकामना करता है जो कभी पूरी नहीं हो सकती। जैसे ही हम सुबह उठते हैं, हमारी यह चाहत रहती है कि हमारे जीवन में कोई तकलीफ या दुख न आए, लेकिन यह संभव ही नहीं है। अधिकांश लोगों की यही इच्छा होती है कि जीवन में केवल सुख हो, दुख का नामोनिशान न हो, लेकिन यह मनोकामना व्यर्थ है।

मुनिश्री ने कहा कि मनोकामना वही करनी चाहिए जो पूरी हो सके। उन्होंने समझाया कि जीवन में कष्ट आने स्वाभाविक हैं और उनसे घबराना नहीं चाहिए। तीर्थंकर दर्शन यही है कि जितने अधिक कष्ट जीवन में आएंगे और हम उन्हें विवेकपूर्वक स्वीकार करेंगे, उतनी ही अधिक कर्मों की निर्जरा होगी। सुख की अवस्था में कर्मबंधन अधिक होता है, जबकि दुख और कठिनाई के समय यदि उन्हें सावधानी और धैर्यपूर्वक पार कर लिया जाए तो कर्मों का क्षय होता है। उन्होंने कहा कि यदि मनुष्य सजगता से जीवन जी ले तो जीवन की वेदना कंकर जितनी छोटी और निर्जरा पहाड़ जितनी बड़ी हो सकती है। तपस्या करने वाला तपस्वी जब साधना करता है तो उसे सबसे पहले कष्ट मिलते हैं, आराम नहीं। किंतु वही कष्ट उसे भीतर से शुद्ध करते हैं और अन्य सभी कष्टों का अंत करने की सामर्थ्य रखते हैं। मुनिश्री ने यह भी कहा कि हम पूजा भी कर लेते हैं, पाठ भी कर लेते हैं, लेकिन साथ ही कभी यह सोच भी रखते हैं कि इंसान से भगवान न बन जाएँ, इसलिए पाप भी कर लेते हैं। हमें सोचना चाहिए कि सुख किसमें है, खाने में या न खाने में? वास्तविक सुख संयम में है, भोग में नहीं। उन्होंने कहा कि हम यह सोचते हैं कि जीवन में कभी दुख न आए, हमेशा सुख ही रहे, लेकिन यह असंभव है। जब यह समझ हमारी बन जाएगी कि दुख जीवन का हिस्सा है, तब दुख आने पर हम उसका सामना सहजता और समझदारी से कर पाएंगे। तब वह हमें भारी भी नहीं लगेगा।

प्रवचन के दौरान परदेसी राजा की कथा को आगे बढ़ाते हुए मुनिश्री ने कहा कि केशी श्रमण ने राजा को समझाया कि आत्मा और शरीर अलग-अलग हैं। आत्मा शरीर से निकल जाती है लेकिन उसका अस्तित्व बना रहता है। राजा ने इस सत्य को स्वीकार भी किया, किंतु अपनी परंपराओं पर प्रश्नचिन्ह लगाने में उसे कठिनाई हुई। उन्होंने आगे कहा कि इस संसार में अधिकांश लोग चाहे कितनी भी अच्छी वस्तु, परिस्थिति या बात क्यों न हो, उसमें से भी कमी निकाल ही लेते हैं। संभव है कि हम भी उन्हीं लोगों में शामिल हों। हम सबको हर चीज़ परफेक्ट चाहिए। सड़कें साफ-सुथरी चाहिए - लेकिन गंदगी फैलाने का काम भी हम ही करते हैं। सफाई कर्मचारी अपना काम एक बार करते हैं, मगर पूरे दिन गंदगी हम लोग ही फैलाते रहते हैं। हम सब अच्छा चाहते हैं, लेकिन अच्छा स्वयं को बनाना और रखना नहीं चाहते। विशेष जानकारी देते हुए मुनिजी ने बताया कि आगामी गुरुवार से विशेष रूप से युवाओं और युवतियों के लिए 'श्रवण कुमार की कथा' का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम रात्रि 8:15 बजे से 9:15 बजे तक चलेगा, जिसमें युवा पीढ़ी के लिए विशेष शिक्षाएं दी जाएंगी। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

धर्म की शरण ही दुःख मुक्ति का मजबूत उपाय है : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में विराजित संतश्री कपिल मुनिजी ने बुधवार को प्रवचन के दौरान कहा कि व्यक्ति के जीवन में जब कोई समस्या दस्तक देती है तब विपदा कठिनाइयों के आने पर व्यक्ति के मन में किसी की शरण मे जाने की भावना जागृत होती है किसी का सहारा लेने की अपेक्षा महसूस होती है परन्तु हकीकत यह है कि कर्म के शिकंजे में जकड़ने पर कोई भी शरणदाता नहीं बन सकता। कोई भी दुःख का साझीदार बनने में सक्षम नहीं है व्यक्ति को अकेले ही दुःख भोगने को मजबूर होना पड़ता है !

लाख कोशिश करने के बावजूद इस सत्य से इन्कार नहीं किया जा सकता कि जीवन रूपी दीपक से आयुष्य का तेल खत्म होने पर जब अंतिम समय हो तब जीव को देवी देवता भी बचाने में समर्थ नहीं है। अपने आपको शक्तिशाली वीर योद्धा ,धनवान, ऐश्वर्यवान, गुणवान आदि मानने वाले को भी एहसास हो जाता है कि कोई भी वस्तु , डॉक्टर, वैद्य, विद्या, मंत्र, दवा मरणासन्न जीव को शरण देने योग्य नहीं है। व्यक्ति के अशुभ कर्म के उदय होने पर कोई दुःख और मृत्यु से सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता।

मुनिश्री ने कहा कि संसार की प्रत्येक चीज सुरक्षा की मोहताज है जो अपने आप में असुरक्षित है वह दूसरों के लिए त्राणभूत शरणभूत नहीं बन सकती जीवन के इस परम सत्य को जानकर आत्मनिर्भर और स्वयं का सहारा खुद बनने का पुरुषार्थ करना आवश्यक है। बारह भावना के अंतर्गत अशरण भावना यही सम्यक समझ का उजाला प्रदान करती है कि शक्ति ,सत्ता, संपत्ति ,परिजन, रिश्तेदार कोई भी दुःख और मृत्यु से बचाने में समर्थ नहीं है। व्यक्ति को अपने कृत कर्मों के परिणाम को भोगना ही पड़ता है कर्म के उदय को निष्फल करने के लिए जप तप,धर्म साधना के मार्ग पर चलकर कर्मनिर्जरा का प्रबल पुरुषार्थ करना चाहिए धर्म ही एक मात्र सच्ची शरण है।

मुनि श्री ने कहा कि हमारी आत्मा में अनंत शक्ति का स्रोत छुपा है और परमात्मा की अनंत शक्ति हमारे साथ है स्वयं को कमजोर और असहाय नहीं समझना चाहिए। जीवन में कुछ पाने के लिए दूसरों पर निर्भरता को छोड़कर स्वयं की आंतरिक शक्तियों पर विश्वास करना जरूरी है। इस मौके पर अध्यक्ष अमरचंद छाजेड, सोहनलाल भंसाली, सुनील भड़कतिया, प्रकाशचंद सिंघवी, आलोक गोलेछा, सुनील बाफना, जवरीलाल चौधरी, प्रकाशचंद खारीवाल, मदनलाल कांकलिया, भागचंद बरडिया, राजेन्द्र बैद आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। धर्मसभा का संचालन संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

शुभ कर्म और आत्मपुरुषार्थ से मिलता है परमात्म तत्व : साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विल्सन गार्डन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्री ने कहा कि हर मनुष्य में परमात्म तत्व को प्राप्त करने की अद्भुत क्षमता होती है। इस लक्ष्य तक पहुँचने के लिए साधक को अपने मन में सरलता, सहजता, मैत्री, करुणा, प्रमोद भावना जैसे श्रेष्ठ गुणों का विकास करते हुए धर्म-आराधना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आत्मा का स्वभाव सिद्ध और शुद्ध है। जब साधक में आत्म-पुरुषार्थ जागृत होता है, तब वह आत्म-चिंतन करता है और आत्मा के वास्तविक स्वरूप की ओर अग्रसर होता है। इस साधना से मिथ्यात्व और सम्यक्त्व का सच्चा ज्ञान प्राप्त होता है। धर्म-आराधना सदैव शांत, संयमित और शीतल भाव से करनी चाहिए। कर्मों की विचित्रताओं को ध्यान में रखते हुए हमें केवल शुभ कर्मों का ही बंधन करना चाहिए।

साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि है। जब व्यक्ति भीतर से पवित्र होता है तो उसके विचार, वचन और आचरण में सहज ही शांति और मधुरता प्रकट होती है।

यही सच्चा धर्म है, जो सबको जोड़ता है और समाज में मैत्री व सद्भावना का संचार करता है। सभा में जयनगर स्थित वात्सल्यपुरम आश्रम की प्रबंधक शिखा जैन ने आश्रम के बच्चों सहित उपस्थित होकर सुंदर गीतिका प्रस्तुत की। इस मौके पर संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली, पारसमल कटारिया आदि उपस्थित थे।

सच्ची प्रभावना वही, जिससे साधर्मिक में भक्ति और सद्भावना जागे : पन्यास विमलपुण्यविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के किलपॉक स्थित एससी शाह भवन के प्रांगण में विराजित पंन्यास विमल पुण्यविजयजी ने बुधवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक दुर्गुण और दोष पराए नहीं लगेंगे, तब तक उनका त्याग संभव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सम्यक दर्शन के बिना ज्ञान व्यर्थ है। एक शरीर भी शरीर के अवयव स्वीकार नहीं करता है, तो फिर आत्मा विभाव को कैसे स्वीकार कर सकती हैं। हमने जीवन में कषायों को अपना लिया है।

संतश्री ने प्रभावना को शासन अनुमोदना बताते हुए कहा कि ऐसी प्रभावना हो, जिससे जिनवाणी के श्रवण से उद्धार हो, साधर्मिक में भक्ति और सद्भावना उत्पन्न हो और जिनशासन के प्रत्येक कार्य में अनुमोदना प्रकट हो। उन्होंने कहा कि गीतार्थ गुरु तीर्थ के समान है। आगमों को आत्मसात कर लेने वाला गुरु स्वयं गीतार्थ है और उनकी सेवा करना तीर्थ सेवना है। संतश्री ने श्रद्धालुओं से कहा कि संसार के कार्यों को त्यागकर धर्म करना अनुचित है, धर्म और संसार दोनों साथ चलें, अनुष्ठान ऐसे हों जिन पर संसार उंगली न उठाए। उन्होंने कहा कि मैं और मेरा का वास्तविक अर्थ आत्मा है, यहां तक कि पुण्य और पाप भी मेरा नहीं।उन्होंने आत्मा के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए कहा कि मोक्ष में पहुंचने पर आत्मा भव्य या अभव्य नहीं, बल्कि नोभभव्य है। अनंत जीव और पुद्गल के भूत, वर्तमान व भविष्य को एक ही समय में देखना केवलज्ञान है। महाराजश्री ने हरिभद्र सूरीजी के वचनों को स्मरण कराते हुए कहा कि पांच महाव्रत, गुरु भक्ति, तप और ज्ञान ही सर्वश्रेष्ठ पूजा हैं। उन्होंने यह भी चेताया कि किसी भी चमत्कार से भ्रमित नहीं होना चाहिए। प्रवचन के अंत में उन्होंने कहा कि नवकार मंत्र का फल तभी मिलता है जब उसका उच्चारण 32 दोष रहित हो। मंत्र-उच्चारण में स्पष्टता और दृढ़ विश्वास आवश्यक है।

व्रत लेने की इच्छा ही श्रद्धा है : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि त्याग की हमेशा महिमा होती है। सामर्थ्य होते हुए, अनुकूलता होते हुए स्वेच्छा से आसक्ति हटाना त्याग है। व्रत लेने की इच्छा ही श्रद्धा है। युवक जयमल ने मात्र एक प्रवचन सुना और जीवन भर के लिए संसार की सभी स्त्री जाति को मात्र मां और बहन की दृष्टि से ही देखने की भीष्म प्रतिज्ञा ले ली। ब्रह्मचर्य व्रत मन की पवित्रता का पुरुषार्थ है। ब्रह्मचर्य व्रत के आराधक को देवता भी नमन करते हैं। साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि इस जगत में कोई भी किसी को पार नहीं लगा सकता है। प्रभु मात्र मार्ग प्रदर्शक हो सकते हैं। पुरुषार्थ तो स्वयं को ही करना पड़ता है। मात्र चर्चा से मंजिल नहीं मिलती है। चर्या से मंजिल मिलती है। यह शरीर, स्वास्थ्य और धर्म अनुकूल साधना है और साधु संतों के आहार दान में सहायक होती है। आज जिस तरह से रात्रि भोजन का आकर्षण बढ़ रहा है, ऐसा लगता है भविष्य में साधु संतों को सायंकाल भोजन दुर्लभ हो जाएगा। प्रवचन सभा में सज्जनबाई लोढ़ा ने 16 उपवास की तपस्या पूर्ण की। संघ के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने उनका सम्मान किया। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया।

'नंबर्स ऑफ ग्रेस' विषयक कार्यशाला में बताए गए अंकों के रहस्य

जीतो साउथ लेडीज विंग ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज़ विंग के तत्वावधान में 'नंबर्स ऑफ ग्रेस, अंकशास्त्र के रहस्य' विषयक कार्यशाला का आयोजन बुधवार को अरिहंत कॉलेज में किया गया जिसमें 200 सदस्याओं ने भाग लिया। इस कार्यशाला में प्रशिक्षक रिंकु भंसाली, जीतो लेडीज़ विंग के संयोजक प्रवीण सोफाड़िया, जेआईआईएफ एवं जे-पॉइंट की संयोजिका अनीता पिरगल, श्रमण आरोग्यम की संयोजिका सुनीता गांधी तथा जीतो नार्थ लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना आदि उपस्थित थे। साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। प्रशिक्षक रिंकु भंसाली का परिचय संयोजक प्रिया गांधी ने कराया। इस कार्यशाला में अंकशास्त्री और बिज़नेस कोच रिंकू भंसाली ने जन्मांक के अनुसार व्यक्तित्व की विशेषताएं बताई। 1 अंक वाले लीडर नेतृत्व क्षमता वाले, आत्मविश्वासी, व्यवसाय के लिए उपयुक्त, 2 अंक वाले शांतिप्रिय, संवेदनशील, रचनात्मक, संतुलनकारी, 3 अंक वाले रचनात्मक, हँसमुख, दानशील, 4 अंक वाले मेहनती और स्थिर, भावुक, 5 अंक वाले साहसी, पर्यावरणप्रेमी, स्वतंत्रताप्रेमी, ऊर्जावान, 6 अंक वाले जिम्मेदार, प्रेमपूर्ण, परिवार-केंद्रित, अक्सर विलासी, 7 अंक वाले विचारक, आध्यात्मिक व विश्लेषणात्मक, 8 अंक वाले महत्वाकांक्षी और शक्तिशाली, वित्त और नेतृत्व में दक्ष व 9 अंक वाले मानवीय, दयालु और ऊर्जावान होते हैं।

रिंकू भंसाली ने कहा कि 11 अंक दिव्यता और आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि, 33 अंक सबसे दुर्लभ संख्या, लक्ष्मी का प्रतीक और समृद्धि का द्योतक है। 22 अंक वाला मास्टर बिल्डर जो सपनों को वास्तविकता में बदलने की क्षमता रखता है। सत्र का संचालन निधि पालरेचा ने किया। सहसंयोजिका वनीता बच्छावत ने धन्यवाद दिया।

पुलिस के खिलाफ झूठी सूचना फैलाने के आरोप में मामला दर्ज

बंटवाल। मंगलूरु में एक ऐसे मामले के संबंध में सोशल मीडिया पर झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसमें जांच अभी जारी है। यह जानकारी बुधवार को एक विज्ञप्ति में दी गई। पुलिस ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि रियाज कडंबु पर दो अलग-अलग घटनाओं को धार्मिक आधार पर जोड़कर विभिन्न समुदायों के बीच नफरत और दुश्मनी पैदा करने का प्रयास करने का आरोप है। इस संबंध में बंटवाल ग्रामीण पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'ईर्ष्या को प्रबंधित करने के लिए आत्मजागरूकता, संवाद और सकारात्मक सोच जरूरी'

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। शहर के अरिहंत नगर केसवापुर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि विनीत कुमार जी ने अपने प्रवचन में कहा कि ईर्ष्या एक भावना है जो अक्सर नकारात्मक मानी जाती है, जिसमें किसी अन्य व्यक्ति के पास कुछ होने या उनकी किसी उपलब्धि के प्रति असंतोष या द्वेष की भावना होती है। यह भावना व्यक्तिगत संबंधों, पेशेवर जीवन और सामाजिक परस्पर क्रियाओं में कई तरह से प्रकट हो सकती है। उन्होंने कहा कि नकारात्मक प्रभाव, ईर्ष्या व्यक्ति को असंतुष्ट, क्रोधित और दुखी बना सकती है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ईर्ष्या संबंधों में तनाव और दूरी पैदा कर सकती है, खासकर अगर इसे सही तरीके से संभाला नहीं जाए। कुछ लोग ईर्ष्या को प्रेरणा के रूप में भी देखते हैं, जहां वे दूसरों की सफलता को देखकर खुद को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित होते हैं। ईर्ष्या को प्रबंधित करने के लिए आत्म-जागरूकता, संवाद और सकारात्मक सोच महत्वपूर्ण हैं। मुनिश्री ने कहा कि हमें ईर्ष्या के कारण पर भी चिन्तन करना चाहिए।

मुनि पुनीत जी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर तेरापंथ सभा के मंत्री अमरावचंद वैद, अशोक पालगोता, उत्तर कर्नाटक आंचलिक तेरापंथ सभा के महामंत्री रमेश चोपड़ा और सचिन सिंह आदि उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.